CNews सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-297
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

पेज-04

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 30 जनवरी 2024

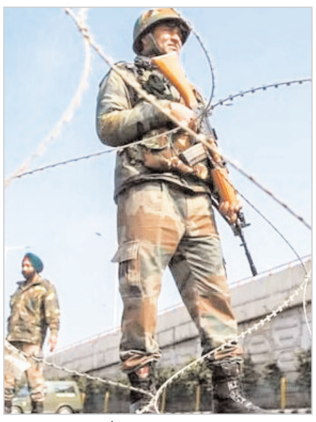

आज का विचार

आप दोस्त बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं।

-अटल बिहारी वाजपेयी

हेमंत सोरेन के दिल्ली आवास पर ईडी का डेरा

बीजेपी बोली- लापता सीएम ने मिट्टी में मिला दिया मान सम्मान

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पूछताछ के लिए ईडी टीम सोमवार को झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के दिल्ली स्थित आवास पर पूछताछ के लिए पहुंचे। हालांकि, घंटों इंतजार के बाद भी यहां हेमंत सोरेन नजर नहीं आए। जानकारी के मुताबिक, ईडी यहां पर तलाशी अभियान चलाया है। सूत्रों ने दावा किया कि सोरेन लापता हैं और जांच एजेंसी उनसे संपर्क नहीं कर पाई है।

गाड़ी और दस्तावेज लेकर गई जांच एजेंसी

यहां पर जांच एजेंसी ने झारखंड सीएम के इस आवास से BMW कार (जो हरियाणा के नंबर पर रजिस्टर है) जब्त कर ली गई है और कुछ दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। अब भी जांच एजेंसी सोरेन के करीबी और ड्राइवर से पूछताछ कर रही है, लेकिन फिर भी अब तक कुछ पता नहीं लग सका है। वहीं, इस बीच बीजेपी ने दावा किया है कि सीएम सोरेन गिरफ्तारी के डर से फरार हैं।

हेमंत सोरेन भगोड़ा घोषित

भाजपा के लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि हेमंत सोरेन या तो भाग गए हैं, या तो बीमार हैं और या फिर उनका अपहरण हो गया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मैंने पहले ही कहा था कि झारखंड सरकार का महाधिवक्ता मेरे झारखंड के आन बान और शान वीर शिबू सोरेन जी के बेटे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को भगोड़ा घोषित कर देगा। आज मेरी बात सही साबित होती दिख रही है। मीडिया के खबरों के अनुसार या तो हेमंत सोरेन जी भाग गए दिल्ली से या तो बीमार हो गए। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, आज झारखंड के लोगों का मान सम्मान हमारे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी ने लापता होकर मिट्टी में मिला दिया। साथ ही, एक पोस्ट में कहा कि झारखंड के राज्यपाल को मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को बुलाकर मुख्यमंत्री का स्वास्थ्य की जानकारी लेनी चाहिए।

लापता होने की खबर फैली

वहीं, झारखंड बीजेपी के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पल लिखा, ईडी अधिकारियों के डर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लापता होने की सूचना न्यूज चैनलों के माध्यम से प्राप्त हो रही है। अगर इस खबर में सत्यता है तो, यह झारखंड के लिए संवैधानिक संकट की स्थिति है। महामहिम जी से निवेदन है कि वो मामले का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री को तलब कर जांच एजेंसी से भागने का कारण पूछें। झारखंड की साख और प्रतिष्ठा दांव पर है। उन्होंने लिखा, अपनी इन हरकतों से हेमंत ने हमारे आदिवासी समाज की प्रतिष्ठा और गौरव को मिट्टी में मिलाने का काम किया है। झारखंड के डीजीपी ये जवाब दें कि, मुख्यमंत्री हेमंत सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़कर रात को कैसे बाहर निकल कर भाग सकता है?

ज्ञानवापी मामला, उत्तर-दक्षिण विभाजन को लेकर खारिज करती ASI रिपोर्ट

नई दिल्ली ! अयोध्या में रामलला अपने घर विराज चुके हैं। इसके पीछे है 500 सालों का संघर्ष और बलिदान जो बताता है कि अयोध्यापति इतनी आसानी से अपनी नगरी को नहीं लौटे। अपने राम के लिए, लड़ाई लड़ने वाले हिंदू समाज ने अदालतों में लड़ाई लड़ी। जिला अदालत से इलाहाबाद हाई कोर्ट और फिर देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट तक राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद की लड़ाई चली और आखिर तय हो गया कि वहां पहले राम का मंदिर था जिसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी। अयोध्या के बाद भगवान शंकर की नगरी काशी में कुछ ऐसा ही विवाद चल रहा है। वहां हिंदू भव्य मंदिर को तोड़कर ज्ञानवापी मस्जिद बनाने की बात कहते हैं तो मुस्लिम पक्ष इस बात से इनकार करता आया है। हालांकि, फैसला कोर्ट को लेना है। लेकिन एक दिन पहले पुरातत्व विभाग ने ज्ञानवापी मामले की सुनवाई कर रहे जिला जज को इस विवाद से जुड़े सबूत दिए हैं। वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर की भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट ने हर किसी का ध्यान आकर्षित किया है, क्योंकि यह उत्तर-दक्षिण विभाजन के बारे में लंबे समय से चली आ रही धारणाओं को खारिज करती है. सर्वे में साइट पर मौजूदा और पहले से मौजूद संरचनाओं की जांच करने पर 12वीं से 17वीं शताब्दी के बीच के संस्कृत और द्रविड़ दोनों भाषाओं में शिलालेख मिले, जो विभाजन के बजाय संस्कृतियों के एकीकरण का संकेत देते हैं, इन सबूतों के आधार पर कहा जा रहा है कि वहां भव्य मंदिर को तोड़कर ही मस्जिद बनाई गई थी। शनिवार को विश्व हिंदू परिषद ने ASI की बात को सही ठहराया है। वीएचपी के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता श्री अलोक कुमार ने कहा कि एएसआई की ओर से ज्ञानवापी मस्जिद से जुटाए गए सबूत इस बात की पुष्टि करते हैं कि इस भव्य मंदिर को तोड़कर ही मस्जिद बनाई गई थी। मंदिर का एक हिस्सा, खासकर पश्चिमी दीवार, हिंदू मंदिर का बचा हुआ हिस्सा है। रिपोर्ट यह भी साबित करती है कि पहले से मौजूद मंदिर के कुछ हिस्सों, जिनमें स्तंभ और पिलर शामिल हैं, को संशोधित करके मस्जिद के दायरे को बढ़ाने और सभन के निर्माण में इस्तेमाल किया गया था।

लालू यादव के बाद अब तेजस्वी यादव पहुंचे ED ऑफिस

तेजस्वी से ED की पूछताछ, 60 सवालों की लिस्ट तैयार, पटना ED ऑफिस के बाहर नारेबाजी कर रहे समर्थक

लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले को लेकर पटना प्रवर्तन निदेशालय ने लालू यादव के परिवार पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है. इसी मामले को लेकर बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया है वहीं कल ईडी ने लालू यादव से 10 घंटे तक पूछताछ की थी. इस पूछताछ के दौरान बड़ी संख्या में लोग ED के मुख्यालय के सामने आ गए.इसके अलावा लालू यादव की बेटी मीसा भारती भी इस दौरान पूरे समय ईडी ऑफिस के बाहर रहीं. इसके अलावा इतनी लंबी पूछताछ को लेकर मीसा भारती ने ईडी के एक्शन की टाइमिंग पर सवाल उठाती रहीं. इस दौरान ED ने लालू प्रसाद से करीब 50 सवाल पूछे गए. लैंड फॉर जॉब स्कैम की रिपोर्ट की मानें तो चार्जशीट के अनुसार लालू यादव के पूरे परिवार से लगभग 5 लोग आरोपी माने जा रहे हैं. लैंड फॉर जॉब केस के मामले में होगी पूछताछ पटना में आज (30 जनवरी) ED RJD नेता तेजस्वी यादव से पूछताछ करेंगी. पटना स्थित क्षेत्रीय ED ऑफिस में लैंड फॉर जॉब केस के मामले में ये पूछताछ की जा रही है।

मादा चीता कूनो पार्क से बाहर निकली, वीरपुर तहसील में मिल रही है लोकेशन

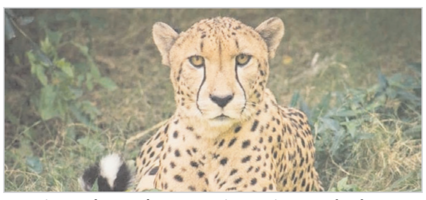

अफ्रीका से आई मादा चीता वीरा कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकल गई है। वीरा के वीरपुर तहसील में होने की लोकेशन मिली है। वन विभाग की टीम लगातार वीरा को सर्च कर रही है। बताया यह भी जाता है कि मादा चीता वीरपुर पुलिस थाने के पास भी कोंनदे नाले में देखी गई है। वन विभाग लगातार मादा चीता को ट्रेक कर रहा है जानकारी के मुताबिक मादा चीता वीरा दो दिनों से कूनो नेशनल पार्क से बाहर है। उसकी लोकेशन वीरपुर तहसील के पास रिहायसी बस्ती के पास देखी जा रही है। बताया जाता है कि सोमवार को वीरपुर पुलिस थाने की बाउंड्रीवाल के पास कोनदे नाले के पास देखी गई। इसके बाद वीरा चक सीताराम गांव के पास श्यारदा पंचायत की सरपंच के घर के पीछे देखी गई है। जिसे देखने के लिए सरपंच के घर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। वन विभाग का अमला भी चीते की लोकेशन को ट्रेस करते हुए वीरपुर के आसपास घूम रहा है।

लोकसभा चुनाव से पहले लड़खड़ाने लगा इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं. सत्तारूढ़ दल के साथ ही विपक्षी पार्टियां भी अपने-अपने स्तर पर रणनीतियां बनाने में जुट गई हैं. चुनाव से पहले विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने की कवायद के तहत I.N.D.I.A. का गठन किया गया. इससे पहले कि I.N.D.I.A गठबंधन उड़ान भर पाता, उसकी हवा निकाल दी गई. बड़ा सवाल यह उठता है कि विपक्षी दलों का गठजोड़ चुनाव से पहले ही क्यों धराशायी होता दिख रहा है I.N.D.I.A के गठन में महती भूमिका निभाने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब विपक्षी धड़े को छोड़कर NDA में शामिल हो चुके हैं. I.N.D.I.A गठबंधन के लिए इसे बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि विपक्षी दलों को एकजुट कर उसे एक मंच पर लाने में नीतीश कुमार ने शिल्पकार की भूमिका निभाई थी. अब उनका एनडीए के खेमे में चले जाने के कारण I.N.D.I.A के अस्तित्व और औचित्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी I.N.D.I.A गठबंधन को करारा झटका दिया है. उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव में अकेले मैदान में उतरेगी. बता दें कि I.N.D.I.A . गठजोड़ में कांग्रेस और वाम दल भी शामिल हैं. ममता बनर्जी के स्टैंड के बाद बड़ा सवाल यह उठने लगा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और वाम दल क्या करेंगे बंगाल में लोकसभा की 42 सीटें हैं. आम आदमी पार्टी ने भी I.N.D.I.A . गठबंधन की गाड़ी को पंक्चर करने का काम किया है. पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में AAP अपने दम पर चुनाव लड़ेगी, ऐसे में पंजाब में I.N.D.I.A . को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं. समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी I.N.D.I.A गठबंधन को झटका देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है. अखिलेश ने पिछले दिनों यह घोषणा कर दी कि वह उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को 11 सीटें देने को तैयार है. दूसरी तरफ, देश की सबसे पुरानी पार्टी सबसे ज्यादा लोकसभा सीट वाले प्रदेश में ज्यादा सीटें मिलने की उम्मीद लगा रखी थी. सपा के रवैये से मनमुटाव की स्थिति पैदा हो गई है. I.N.D.I.A. गठबंधन में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है. विपक्षी गठजोड़ में कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सही मायने में राष्ट्रीय है. I.N.D.I.A . में शामिल दल का अस्तित्व एक प्रदेश के बाद दूसरे में कहीं नहीं दिखता है, लेकिन कांग्रेस की मौजूदगी कई प्रदेशों में है. इसे देखते हुए गठबंधन में शामिल दल कांग्रेस पर सीट बंटवारे को लेकर लगातार दबाव बना रहे थे. इसके बावजूद कांग्रेस की ओर से कोई सकारात्मक रुख नहीं दिखाया जा रहा है. अब I.N.D.I.A में बिखराव देखने को मिल रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताई अपनी दिनचर्या

मैं बिस्तर पर जाने के 30 सेंकंड के भीतर सो जाता हूं

नई दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वह बिस्तर पर जाने के 30 सेकंड के भीतर सो जाते हैं। उन्होंने छात्रों को 'स्क्रीन टाइम' के प्रति आगाह किया, जिससे नींद में खलल पड़ती है। भारत मंडपम में 'परीक्षा पे चर्चा' के सातवें संस्करण के दौरान छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 'स्क्रीन टाइम' नींद के समय को खा जाता है। उन्होंने कहा, ''संतुलित जीवनशैली बनाए रखने के लिए हर चीज की अधिकता से बचना चाहिए। स्वस्थ दिमाग के लिए एक स्वस्थ शरीर महत्वपूर्ण है और इसके लिए कुछ दिनचर्या, सूरज की रोशनी में समय बिताना और नियमित और पूरी नींद लेना आवश्यक है।'' उन्होंने कहा, ''स्क्रीन टाइम जैसी आदतें आवश्यक नींद के समय को खा रही हैं, जिसे आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान द्वारा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।'' 'स्क्रीन टाइम' शब्द आम तौर पर उस समय को संदर्भित करता है, जो कोई व्यक्ति मोबाइल और टेलीविजन के स्क्रीन का उपयोग करके बिताता है। मोदी ने कहा, ''मैंने बिस्तर पर जाने के 30 सेकंड के भीतर गहरी नींद में जाने की दिनचर्या बनाए रखी है। जागते समय पूरी तरह जागना और सोते समय गहरी नींद लेना एक संतुलन है, जिसे हासिल किया जा सकता है।'' परीक्षा की तैयारी और स्वस्थ जीवनशैली के बीच संतुलन बनाने का मुद्दा उठाते हुए राजस्थान के सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र धीरज सुभाष, कारगिल के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय की नजमा खातून, अभिषेक कुमार तिवारी और अरुणाचल प्रदेश के सरकारी उच्चतर माध्यमिक के शिक्षक टोबी लाहमे ने प्रधानमंत्री से व्यायाम के साथ पढ़ाई के प्रबंधन के बारे में पूछा। मोदी ने संतुलित आहार की आवश्यकता पर बल दिया और फिटनेस के लिए नियमित व्यायाम और शारीरिक गतिविधियों के महत्व पर भी जोर दिया। शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित 'परीक्षा पे चर्चा' में पिछले छह वर्षों से छात्र, अभिभावक और शिक्षक शामिल होते रहे हैं। कोरोना महामारी के कारण चौथा संस्करण ऑनलाइन आयोजित किया गया था, जबकि पांचवां और छठा संस्करण टाउन-हॉल प्रारूप में संपन्न हुआ था। पिछले वर्ष के संस्करण में कुल 31.24 लाख छात्रों, 5.60 लाख शिक्षकों और 1.95 लाख अभिभावकों ने भाग लिया था। इस साल, 'माइ गोव पोर्टल' पर करीब 2.26 करोड़ पंजीकरण हुए हैं, जो छात्रों के बीच इस कार्यक्रम को लेकर व्यापक उत्साह को दर्शाता है।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दौर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दौर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अतः कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अतः इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रय करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी

अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

सड़क हादसे में खोया था पैर, इंदौर कोर्ट ने बीमा कंपनी को दिया 58 लाख रुपये क्षतिपूर्ति का आदेश

इंदौर। 19 वर्षीय युवक ने सड़क हादसे में अपना पैर खोया था। उसने क्षतिपूर्ति के लिए इंदौर जिला न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद बीमा कंपनी को आदेश दिया कि वह क्षतिपूर्ति के रूप में युवक को 57 लाख 56400 रुपये का भुगतान करे। बीमा कंपनी को इस रकम पर 6 प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज भी देना होगा। हादसा 12 सितंबर 2015 को हुआ था। प्रार्थी आशय कश्यप अपने दोपहिया वाहन से पूना से लोणावला जा रहा था। पीछे से आए डंपर एमएच 14 सीपी 6716 के चालक ने उसे पीछे से इतनी जोरदार टक्कर मारी की आशय सड़क पर गिर पड़ा। उसे गंभीर चोट आई। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा इसके बाद से आशय जीवनपर्यंत के लिए चलने-फिरने से मोहताज हो गया। वह कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहा। बाद में उसे कृत्रिम पैर लगवाना पड़ा। हादसे के वक्त वह पूना के एक विश्वविद्यालय में बीआर्क का विद्यार्थी था और उसके उज्जवल भविष्य के अवसर थे। उसके पिता ने उसके लिए एजुकेशन लोन भी ले रखा था। बाद में आशय इंदौर शिफ्ट हो गया और उसने जिला न्यायालय में डंपर का बीमा करने वाली बीमा कंपनी के खिलाफ क्षतिपूर्ति का वाद प्रस्तुत किया। आवेदक आशय ने कोर्ट को बताया कि हादसे की वजह से उसकी शिक्षा भी प्रभावित हुई है। लंबे समय तक कालेज से दूर रहने की वजह से उसकी रैंक प्रभावित हुई। इसका सीधा असर उसके भविष्य पर पड़ा है। न्यायालय ने सभी तथ्यों को विचार में लाने के बाद आदेश दिया कि बीमा कंपनी आशय को 57 लाख 56400 रुपये का भुगतान बतौर क्षतिपूर्ति करे।

शहर में वनवे से व्यापारी त्रस्त, समाधान नहीं निकला तो व्यापारियों ने ज्ञापन सौंपा

इंदौर। शहर के जवाहर मार्ग और एमजी रोड को वन वे हुए करीब 20 दिन हो गए हैं। इससे यातायात में तो दवाब कम हुआ है, लेकिन व्यापारियों की समस्याएं बढ़ती चली जा रही हैं। इसको लेकर 18 जनवरी को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने प्रशासनिक अधिाकरियों और व्यापारियों के साथ बैठक की थी, जिसका अभी तक कोई परिणाम नहीं निकला है ।इस मामले को लेकर एक बार फिर सोमवार को जवाहर मार्ग के व्यापारियों ने वन वे से समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा है। दरअसल, 9 जनवरी को यातायात संचालन के सुधार के लिए जवाहर मार्ग और एमजी रोड को वन वे किया गया था। इसके बाद से ही व्यापारियों का कहना है कि उनका व्यापार करीब 60 प्रतिशत तक प्रभावित हुआ है। इसको लेकर कई बार क्षेत्रीय विधायक, महापौर, कलेक्टर आदि को शिकायत की गई है लेकिन इन्हें कोई समाधान नहीं मिल पा रहा है।

कई व्यापारियों का कहना है कि महीना खत्म हो गया है लेकिन दुकानों का किराया नहीं निकल रहा है। कई दुकानदार आर्थिक तंगी के चलते कर्मचारियों को निकालने की तैयारी कर रहे हैं। मंगलवार को व्यापारियों ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव को ज्ञापन देते हुए बताया कि वन वे होने से वाहनों की अस्त-व्यस्त पार्किंग हो रही है। व्यापार आधा होने से व्यापारियों की अर्थव्यवस्था खत्म हो रही है। जवाहर मार्ग पर प्रतिष्ठानों का किराया भरने के लाले पड़ रहे हैं। व्यापारियों के प्रतिष्ठान में किराया, बिजली बिल, संपत्ति कर, नगर निगम व्यापार लाइसेंस, आयकर, प्रतिष्ठान रखरखाव, एवं रोजगार आदि खर्च एक व्यापारी पर लागू होते हैं और इसका लाभ सरकार को भी होता है। व्यापारियों ने बताया कि इसके बाद भी महापौर ने केवल देखते हैं का ही उत्तर दिया। हर दिन जवाहर मार्ग के व्यापारियों को लाखों का नुकसान हो रहा है। हर दिन व्यापारी इसी उम्मीद के साथ दुकान खोलता है कि शायद आज समस्या का समाधान मिल जाए।

आज भी अमर हैं बापू के सिद्धांत व विचार

इंदौर। महात्मा गांधी की हत्या के कारण वर्ष 1948 में 30 जनवरी की तारीख हमेशा के लिए कलंकित हो गई। उस दिन गांधीजी तो हम भारतवासियों के साथ पूरे विश्व को तो अकेला छोड़ गए, लेकिन उनके सिद्धांत आज भी युवाओं और देशप्रेमियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।जब भी विश्व में युद्ध का माहौल होता है, तब उनका अहिंसा का सिद्धांत सामने आता है। जब भी निम्नस्तर की राजनीति होती है, तब गांधी के सत्य के मार्ग की राह नजर आती है।

आज बापू की पुण्यतिथि का दिवस है। मेक इन इंडिया गांधी का स्वदेशी सपने का हिस्सा अंग्रेजों की गुलामी से भारत को मुक्त कराने के लिए 1906 में महात्मा गांधी ने स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत की। इस आंदोलन के तहत बापू ने देशवासियों से ब्रिटेन में बने सामान, कपड़े और मसालों का बहिष्कार करने का आह्वान किया। स्वदेशी आंदोलन, जो भारत की स्वतंत्रता के दौरान आरंभ हुआ, आज भी भारतीय समाज में महत्वपूर्ण है। स्वदेशी एक विचार नहीं बल्कि एक जीवनशैली है, जिसमें हम अपने पास के उद्योगों, उत्पादों, और कौशल को प्राथमिकता देकर उन्हें प्रोत्साहित करते हैं और बाहरी वस्तुओं पर अपनी निर्भरता को कम करते हैं। भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया मेक इन इंडिया अभियान इसी स्वदेशी दृष्टिकोण को साकार करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

गांधी के सिद्धांत हमेशा प्रासंगिक रहेंगे।

राज्यसेवा मुख्य परीक्षा आगे बढ़ाने की मांग, गुरुवार को निर्णय लेगा आयोग

सिटी चीफ, इंदौर।

इंदौर। मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) आने वाले महीनों में होने वाली कुछ परीक्षाओं के पूर्व घोषित कार्यक्रम में बदलाव कर सकता है। इनमें राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2023 के साथ ही प्रस्तावित राज्यसेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 भी है। अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा को आगे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। सोमवार को उम्मीदवार ज्ञापन सौंपने भी पीएससी मुख्यालय पहुंचेंगे। राज्यसेवा मुख्य परीक्षा 2023 मार्च में होता है। इस शेड्यूल में आने वाले आम चुनावों का कार्यक्रम खलल डालता दिख रहा है। मुख्य परीक्षा 11 मार्च से शुरु होना है। अभ्यर्थी मांग कर रहे हैं कि इसकी तारीख आगे बढ़ाई जाना चाहिए। इस बीच पीएससी अपनी ओर से परीक्षा की तैयारी पूरी होने का दावा कर रहा है। हालांकि अंदर ही अंदर परीक्षा को आगे बढ़ाने पर सुगबुगाहट भी शुरू हो गई है। दरअसल लोकसभा चुनाव के आयोजन के लिए मार्च-अप्रैल में प्रशासनिक अमले से लेकर सरकारी मशीनरी तक व्यस्त हो जाएगी। ऐसे में पीएससी को परीक्षा केंद्र से लेकर

पर्यवेक्षक, परीक्षक और सुरक्षा से लेकर निगरानी व व्यवस्था के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें भी मिलना मुश्किल हो जाएगी। अभ्यर्थी चाह रहे हैं कि उन्हें परीक्षा की तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिल जाए। पीएससी के सूत्रों के अनुसार अभ्यर्थियों की मांग के बीच आयोग की बैठक गुरुवार को होना संभावित है। इस बैठक में अन्य तमाम मुद्दों के साथ परीक्षा को रिशेड्यूल करने का एजेंडा भी रखा गया है। यानी इसी सप्ताह परीक्षा की तारीखों में परिवर्तन को लेकर ऐलान हो सकता है। इस बीच प्रारंभिक परीक्षा 2024 जो अप्रैल में आयोजित होना है उसे भी आगे बढ़ाया जा सकता है। इस परीक्षा की तारीख घोषित नहीं है। सिर्फ संभावित रूप से इस माह में परीक्षा होने की बात पीएससी ने घोषित की है।

एमपी एनएच 30 अमरपाटन के ओढकी पाल बछरा टोल प्लाजा, और रीवा सतना के रामपुर बघेलान बहेलिया भाट बेला के टोल प्लाजा मे ,आये दिन टोल प्लाजा से पार करने बाले यूजरो से की जाती हैं बत्यमीजी ,और उनके साथ की जाती हैं मारपीट ,ये अभी कुछ दिनों से जादा ही होने लगा है ,सूत्रों के कहने का मतलब यह है की ,अभी 4 से 5 महीने से, वंसीका कम्पनी द्वारा जिनके मालिक है संजय (संजू) शर्मा पूर्व विधायक कांग्रेस तेंदूखेड़ा विधानसभा , और बहेलिया भाट टोल प्लाजा बेला के मालिक प्रकाश खमरिया द्वारा , लोकल के गुर्गो से चलबया जा रहा टोल प्लाजा ,जिसकी शिकायत थाना अमरपाटन और थाना रामपुर बघेलान में कई बार हुई है, लेकिन पुलिस प्रशासन को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है ,अपराधियों के शरण में चल रहा है

टोल प्लाजा, जिसकी शिकायत जिम्मेदार आदमी के द्वारा ,अमरपाटन टीआई ,और रामपुर टीआई ,को बताया भी गया है कि, यहां टोल प्लाजा में कुछ ऐसे कर्मचारी हैं, जिनके अपराध आपके ही थाना में दर्ज हैं ; अब देखना है की पुलिस मामले को संज्ञान में लेती है कि नहीं?

इंदौर में चार दिन में रात का तापमान 3.3 डिग्री बढ़ा

पारा 13 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

सिटी चीफ, इंदौर।

इंदौर। हवाओं का रूख बदलने से मौसम में अचानक बदलाव आ गया है। दिन की बजाए अब रात में भी ठंड का असर कम होने लगा है। गुरुवार से लेकर सोमवार के बीच न्यूनतम तापमान में 3.3 डिग्री का उछाल देखा गया ।इंदौर। हवाओं का रूख बदलने से मौसम में अचानक बदलाव आ गया है। दिन की बजाए अब रात में भी ठंड का असर कम होने लगा है। गुरुवार से लेकर सोमवार के बीच न्यूनतम तापमान में 3.3 डिग्री का उछाल देखा गया ।आज का तापमान सोमवार को उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चली। दिनभर धूप निकलने से तापमान में उछाल रहा। हवा छह किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की वजह से तापमान बढ़ रहा है।

सड़क पर दोपहिया और परिवहन विभाग के रिकार्ड में कंस्ट्रक्शन

सिटी चीफ, इंदौर।

इंदौर। प्रदेश में 1 अप्रैल 2019 से पहले के सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगाना अनिवार्य किया गया है। चालानी कार्रवाई से बचने के लिए बड़ी संख्या में एचएसआरपी की आनलाइन बुकिंग की जा रही है, जबकि इंदौर और प्रदेश के कई मालिक ऐसे हैं, जिनके वाहनों की नंबर प्लेट की बुकिंग नहीं हो पा रही है। पोर्टल पर दर्ज वाहनों के डाटा मैच नहीं होने से एचएसआरपी की बुकिंग नहीं हो पा रही। शहर की सड़कों पर दौड़ने वाले दोपहिया वाहन परिवहन विभाग के रिकार्ड में कंस्ट्रक्शन वाहन के रूप में दर्ज है। इससे नंबर प्लेट की बुकिंग नहीं हो पा रही है ।परिवहन विभाग द्वारा मध्य प्रदेश के सभी वाहनों का डाटा विगत वर्ष वाहन पोर्टल पर अपलोड किया गया था। विभाग की गफलत के कारण कई वाहनों की जानकारी वाहन पोर्टल पर गलत दर्ज कर दी गई। भागीरथपुरा में रहने वाले हेमंत शर्मा की यामाहा बाइक परिवहन विभाग के वाहन पोर्टल पर कमर्शियल वाहन के रूप में दर्ज कर दी गई। इस वजह से इसकी नंबर प्लेट की आनलाइन बुकिंग नहीं हो पा रही है। शोरूम पर संपर्क करने पर यहां से भी

बुकिंग नहीं हो सकी। अब नंबर प्लेट लगाने के लिए आवेदक परिवहन विभाग के चक्कर काट रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि वाहन पोर्टल कई वाहनों का डाटा गलत दर्ज कर दिया गया है। इसे सुधारने के लिए रोज बड़ी संख्या में आवेदन आ रहे हैं। विभाग ने अधिकृत नहीं किया डीलर शहर में काइनेटिक होंडा स्कूटर रखने वाले सैकड़ों लोग एचएसआरपी नंबर प्लेट के लिए परेशान हो रहे हैं। वाहन पोर्टल पर आनलाइन बुकिंग करने पर कंपनी का नाम तो दिख रहा है, लेकिन प्लेट लगाने के लिए विभाग ने डीलर अधिकृत नहीं किया। इससे नंबर प्लेट नहीं लग पा रही है। काइनेटिक होंडा रखने वाले विजय चौधरी डीलर अधिकृत करने के लिए आरटीओ से लेकर परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तक शिकायत कर चुके हैं। इसके बाद भी अब तक समाधान नहीं हो सका। परिवहन विभाग ने शुरू की कार्रवाई परिवहन विभाग और संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड इंदौर द्वारा एचएसआरपी नंबर प्लेट को लेकर कार्रवाई शुरू की गई है। जिन वाहनों में नंबर प्लेट नहीं लगी है, उन पर चालानी कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को भी परिवहन विभाग की टीम ने एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने के लिए लोगों को प्रेरित भी किया। इस दौरान 25 से अधिक वाहनों पर कार्रवाई की गई।

इंदौर के सुपर कारिडोर पर स्टेडियम खटाई में, आइडीए की गड़बड़ी

इंदौर। सुपर कारिडोर पर इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) द्वारा स्टेडियम विकसित करने की योजना खटाई में पड़ गई है। आइडीए द्वारा मंजूरी के लिए प्रस्तुत नक्शा नगर एवं ग्राम निवेश (टीएंडसीपी) ने नामंजूर कर दिया है। हैरानी की बात ये है कि बिना नक्शा पास करवाए आइडीए ने स्टेडियम के लिए जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू करने की जल्दबाजी भी दिखा दी ।प्रक्रिया शुरू होने के बाद आइडीए ने नक्शा मंजूरी के लिए टीएंडसीपी को भेजा। टीएंडसीपी ने रिकार्ड का मिलान किया तो पुराने और नए नक्शों में गड़बड़ी मिली। टीएंडसीपी ने सुनवाई की और आदेश पारित कर दिया कि आइडीए की ओर से मंजूरी के प्रस्तुत नक्शे में ही गड़बड़ी है। पहले आइडीए फिर से सीमांकन करवाए। इसके बाद नक्शा मंजूरी के भेजे। आइडीए की योजना 151 और 169-बी सुपर कारिडोर पर खेल गतिविधि के उपयोग के लिए जमीन आरक्षित की है। आइडीए के मुताबिक इस जमीन पर क्रिकेट व अन्य खेल गतिविधियों के लिए आधुनिक स्टेडियम का निर्माण किया जाना है। इस बीच आइडीए ने मन बना लिया कि स्टेडियम का निर्माण करना उसके बूते से बाहर है। ऐसे में स्टेडियम निर्माण व संचालन की जिम्मेदारी निजी क्षेत्र को सौंप दी जाए। आइडीए ने नक्शा ही बदल दिया आइडीए ने टीएंडसीपी में नक्शे की मंजूरी के लिए आनलाइन आवेदन 20 अक्टूबर 2013 को किया। इस बीच नक्शा मंजूर भी नहीं हुआ और 11 दिसंबर 2023 को आइडीए ने स्टेडियम के लिए जमीन आवंटन करने की घोषणा के साथ प्रक्रिया भी शुरू कर दी। नगर व ग्राम निवेश व आइडीए के बीच नक्शा मंजूरी को लेकर 15 जनवरी को पत्र व्यवहार ही चलता रहा। क्षेत्र के किसानों व अन्य ने इस पर आपत्ति ले ली। टीएंडसीपी ने 24 जनवरी को आइडीए के अधिकारियों और आपत्तिकर्ताओं को सुनवाई के लिए बुलाया। इस बीच आपत्ति लगाने वाले ने आरोप लगाया कि आइडीए ने स्टेडियम का नक्शा ही बदल दिया है। योजना में स्टेडियम व साथ की सड़क का नक्शा कुछ और था व अब मंजूरी के लिए भेजा जा रहा नक्शा कुछ ओर ही है। इस बीच टीएंडसीपी ने पुराने रिकार्ड की जांच कर ली। जांच में आइडीए की ओर से प्रस्तुत नए नक्शे में गड़बड़ी मिली। इसके बाद संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश ने आइडीए के नक्शे को मंजूरी देने से इनकार दिया। आदेश पारित किया कि प्राधिकरण ने इसमें हाईकोर्ट के एक आदेश का भी उल्लंघन किया है। दो अलग-अलग नक्शों में विरोधाभास है। ऐसे में आइडीए मौके पर फिर से सीमांकन करवाए और नया नक्शा मंजूरी के लिए पेश करें। टीएंडसीपी ने आइडीए को ताकीद भी कर दिया कि ध्यान रखे कि हाई कोर्ट के पूर्व के आदेश का उल्लंघन न हो। आइडीए खुद नहीं कर सकता बिना तैयारी नक्शा पेश करने और प्रक्रिया की जल्दबाजी पर आइडीए के सीईओ आरपी अहिरवार ने टिप्पणी करने से ही इन्कार कर दिया।

एनएसयुआई की नवीन कार्यकारणी का हुआ गठन

अंजड़/बड़वानी। नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया NSUI विधानसभा अध्यक्ष विशाल राजपूत ने अंजड़ स्वामी अमृतानंद शासकीय महाविद्यालय अंजड़ इकाई के कार्यकारिणी घोषित की गई। विधानसभा संयोजक विशाल राजपूत ने बताया कि विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। जो सदा छात्र हित के लिए कार्य करता है। उनके समस्या का समाधान करवाता है ।भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC या कांग्रेस) की छात्र शाखा है। इसके संयोजक जिला सचिव रवि शिमले, ब्लॉक अध्यक्ष गोलू डावर, नगर अध्यक्ष हेमंत तोमर एवं आदि उपस्थित थे कार्यकारिणी के सदस्य, अध्यक्ष नैनल राठौर, उपाध्यक्ष प्रीति राजू भायल ,उपाध्यक्ष जयस प्रजापत,महामंत्री दीपिका पटेल, महामंत्री रोशनी बघेल,मंत्री लक्ष्मी बघेल,महामंत्री प्रिया मालवीय ,महासचिव प्रियांशी बदामे ,महासचिव संतोषी रोमडे ,सह - सचिव भूमिका कुमावत ,सचिन गायत्री मगरे ,सचिन सोनाली सोलंकी ,प्रवक्ता गोविंद मंडलोई ,कृष्ण डावर मीडिया प्रभारी ,चंदन तडौले मीडिया प्रभारी

आवारा श्वानों के आतंक के खिलाफ सक्रिय हुईं उमा, मृतक बच्चे के स्वजन से की मुलाकात

सिटी चीफ भोपाल।

यदि किसी बीमारी से बच्चा मर जाता है तो उसे जमीन में दफना दिया जाता है। इसके बाद यदि कोई श्वान जमीन से बच्चे का शव निकाल कर खा लें तो दुख होता है। लेकिन यहां तो जिंदा बच्चे को श्वानों ने नोंच खाया। उस समय बच्चा कितना तड़पा होगा। अब आप बच्चे के स्वजनों को भले ही हीरे-मोती और कितनी भी दौलत दे दें। इससे क्या बच्चे की आत्मा को शांति मिल जाएगी, नहीं मिलेगी। यह कहते हुए पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती भावुक हो गईं। उन्होंने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को फोन कर नाराजगी जताई। साथ ही मिनाल रेसीडेंसी के पास हुई इस घटना को क्रिमिनल नेग्लिजेंसी (आपराधिक लापरवाही) करार दिया है। साथ ही यह भी कहा कि वह इस संबंध में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से भी बात करेंगी।बता दें कि रविवार शाम को पूर्व मुख्यमंत्री उमा मृत बच्चे के स्वजनों से मिलने उसके घर गई थी। इसके बाद घटना स्थल भी गई, जहां श्वानों ने बच्चे को काट खाया था। उमा ने कहा जहां भी मजदूर होंगे, उनके बच्चों की सुरक्षा और पालना की व्यवस्था की जानी चाहिए। जिन्होंने ये बिल्डिंग बनाई उन्होंने करोड़ों रुपए कमा लिए हैं। लेकिन, इन मजदूरों के लिए कुछ हजार रुपए की व्यवस्था नहीं की। इस घटना के लिए यहां का प्रबंधन ही असली हत्यारा है। ये आपराधिक लापरवाही है, जिसके कारण मजदूर के बच्चे को श्वानों ने खा लिया। उमा ने कहा कि मेरे सुरक्षाकर्मी जब इस स्पाट को देखने आए थे, तब भी तीन श्वान यहां मौजूद थे। अब इसका समाधान निकालना पड़ेगा। मजदूर के बच्चों के लिए बने पालनाघर श्वानों को बचाना जरूरी है। लेकिन, बच्चों और मनुष्यों को भी बचाना जरूरी है। इस मामले में प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराना होगा, जब वो मजदूरों को मजदूरी के लिए लगाते हैं। तब वे मजदूरों के बच्चों की रक्षा के लिए पालनाघर बनाते हैं कि नहीं। अभी इस मामले को हम बहुत आगे ले जाएंगे। अब किसका संहार करूं.... उमा भारती ने बच्चे की मां से कहा कि मैं आप लोगों (बच्चे के परिवार) से मिलना चाहती थी। लेकिन, बुखार की वजह से नहीं आ पाई और फिर अयोध्या जाना पड़ा। जैसे ही भोपाल आई तो आपके पास चली आई। बच्चे की मां उमा भारती से मिलते ही रोने लगी, तो उमा बोलीं मैं भी उतनी तड़प रही हूं, जितना आप तड़प रही हो। जिस दिन से मैंने सुना कि सात महीने के बच्चे को कुत्तों ने खा लिया। मुझे इतना बुरा लग रहा था कि पूरी सृष्टि का संहार कर दूं या खुद का संहार करूं, मैं क्या करूं।

वन्य प्राणी के अंगों का तस्कर ताशी शेरपा दार्जिलिंग से गिरफ्तार, 2015 से था फरार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। वन्य-प्राणी बाघ एवं पेंगोलिन के अंगों की तस्करी के आरोपित ताशी शेरपा को स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) मध्य प्रदेश और वन्य-जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो पूर्व क्षेत्र ने संयुक्त कार्रवाई कर बंगाल एवं नेपाल की सीमा पर स्थित दार्जिलिंग जिले से 24 जनवरी को गिरफ्तार कर लिया। शेरपा वर्ष 2015 से फरार था। उसके विरुद्ध एसटीएसएफ मध्य प्रदेश ने 13 जुलाई, 2015 को प्रकरण दर्ज किया था। उक्त प्रकरण में पूर्व में 29 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनके विरुद्ध न्यायालय नर्मदापुरम ने पांच वर्ष के सश्रम कारावास एवं कुल सात लाख 10 हजार रुपये के अर्थदंड का आदेश पारित किया है।आरोपितों द्वारा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में बाघ एवं पेंगोलिन का शिकार कर उसके अवयवों की तस्करी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करने का अपराध किया गया था। शेरपा की गिरफ्तारी से मध्य प्रदेश समेत पूरे देश में बाघों के संरक्षण एवं सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। ताशी शेरपा को विशेष न्यायालय नर्मदापुरम में प्रस्तुत किया जाएगा। अन्य वन्य-जीव अपराधों में उसकी संलिप्तता के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए अन्य राज्यों से भी संपर्क किया जा रहा है।

नये बस स्टैंड पर बसें तो पहुंची नहीं, पहुंच गया अतिक्रमण

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। पुराने शहर के बैरसिया रोड स्थित डीआइजी बंगला के पास बनाये गए नये बस स्टैंड पर अब तक बसें तो नहीं पहुंच सकी हैं, लेकिन यहां पर अतिक्रमण जरूर पहुंच गया है। नगर निगम प्रशासन ने बस स्टैंड को तैयार तो करवा लिया है और यहां दुकानें भी बनकर तैयार हो गई है, लेकिन यह शुरू नहीं हुआ है।इ सी बीच यहां बस स्टैंड के मुख्य मार्ग के आसपास ही गुमठी, ठेले सहित अन्य अतिक्रमणकारियों ने अपने अस्थायी कब्जे जमा लिए हैं। हैरत की बात तो यह है कि यहां पास में नगर निगम का कचरा ट्रांसफार्मेशन केंद्र भी स्थित है, जहां अक्सर निगम अधिकारी भी आते हैं उनको भी यह अतिक्रमण नहीं दिखाई देता है। इसी नजरअंदाजी के चलते अतिक्रमणकारियों के हौसलें बुलंद हैं और वह दिन-ब-दिन कब्जा करते जा रहे हैं मुख्य मार्ग के दोनों तरफ कब्जे बैरसिया रोड पर बनाए गए इस बस स्टैंड से बैरसिया सहित अन्य जिलों के यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। इसके पहले ही बस स्टैंड तक पहुंचने वाले मुख्य मार्ग पर ही अतिक्रमणकारियों ने कब्जा जमा रखा है। बस स्टैंड तरफ अवैध गुमठी, ठेले, पंचर की दुकान सहित अन्य लोगों ने अपनी दुकानें सजा ली है। यही हाल दूसरी तरफ वाले सड़क किनारे पर भी है। इसी के चलते अक्सर यहां पर डीआइजी बंगला से लेकर आरिफ नगर तक जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। अतिक्रमण हटाकर बनाया बस स्टैंड डीआइजी बंगला से आरिफ नगर के बीच स्थित ढाई एकड़ जमीन पर जहां नया बस स्टैंड निगम द्वारा बनवाया गया है, उस जमीन पर पहले अतिक्रमण होने लगे थे। लोगों ने झुग्गी बनाकर कब्जा करना शुरू कर दिया था, जिन्हें नगर निगम ने प्रशासन की मदद से हटवाया था। तब जाकर बस स्टैंड बनने का रास्ता साफ हो पाया था, लेकिन नये अतिक्रमण को लेकर सख्ती नहीं बरती तो यह निगम प्रशासन के लिए नासूर बन जाएंगे। हर दिन संचालित होंगी 280 बसें यह बस स्टैंड लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। यहां कुल 89 दुकानें बनाई गई हैं और 25 दुकानें मुख्य बिल्डिंग में बनाई गई हैं। यहां पर नादरा और पुतली घर दोनों बस स्टैंड को शिफ्ट किया जाना है। इससे यहां से हर दिन 280 बसों का संचालन होगा। ऐसे में यहां लोकल यात्री के अलावा और बैरसिया, विदिशा रोड, सीहोर रोड की तरफ बसी कालोनियों के ढाई से तीन लाख लोगों को लोकल ट्रांसपोर्ट के लिए बड़ी सुविधा मिलेगी। शुरू होगा तो मिलेगा सभी को लाभ नादरा और पुतली घर बस स्टैंड यदि बैरसिया रोड पर बने नये बस स्टैंड पर शिफ्ट होते हैं तो करोंद, लांबाखेड़ा, हाउसिंग बोर्ड, सिंधी कालोनी, छोला, शाहजहांनाबाद, टीलाजमालपुरा, करोंद आदि क्षेत्रों के रहवासियों को एक बेहतर परिवहन सुविधा आसानी से मिल सकेगी।

पश्चिमी विक्षोभ ने लगाया ठिठुरन पर ब्रेक, 13 डिग्री पर पहुंचा रात का पारा

सिटी चीफ भोपाल।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवाओं का रुख बदल गया है। इससे उत्तरी सर्द हवाओं का असर कम हो गया है। भोपाल में फिलहाल उत्तरी व उत्तर-पूर्वी हवाएं चल रही हैं। इसके अलावा हवा की रफ्तार भी अधिक नहीं है। इससे फिलहाल लोगों को ठिठुरन से राहत मिल गई है। दिन और रात के तापमान में भी उछाल आया है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक भोपाल में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो सामान्य से लगभग 02 डिग्री अधिक है। वहीं अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो लगभग सामान्य है। भोपाल में पिछले चार दिन से रात का पारा 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक दो दिन तक मौसम ऐसा ही रहेगा। इसके बाद कड़ाके की ठंड का एक और दौर आ सकता है।प्रदेश की अगर बात करें तो फिलहाल मौसम शुष्क है। आसमान साफ होने की वजह से दिन में अच्छी धूप खिल रही है। इससे दिन के पारे में भी उछाल आ रहा है। सोमवार को प्रदेश के 15 जिलों में अधिकतम तापमान 28 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया। खंडवा में अधिकतम तापमान सबसे ज्यादा 30.1 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों पर नजर डालें तो इंदौर में अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री, भोपाल में 26.8 डिग्री, जबलपुर में 27.5 डिग्री और ग्वालियर में 22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में बढ़ी गर्मी मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक अफगानिस्तान के आसपास तीव्र आवृति वाली मौसम प्रणाली के असर से हवाओं का रुख बदल गया है। इससे कड़ाके की ठंड से फिलहाल राहत मिल गई है। साथ ही अरब सागर से नमी आने के कारण प्रदेश के कुछ इलाकों में ऊंचाई एवं मध्यम स्तर के बादल छाने लगे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी पीके रैकवार ने बताया कि बादल के काफी ऊंचाई पर रहने की वजह से दिन का तापमान भी बढ़ रहा है। ऐसा रहेगा मौसम ..मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तर भारत के पहाड़ों पर बर्फबारी एवं वर्षा होने की संभावना है। इसके आगे बढ़ने के बाद 01 फरवरी से हवाओं का रुख उत्तरी होने से प्रदेश में फिर रात के तापमान में कुछ गिरावट हो सकती है।

श्वानों का बचाव करना पशुप्रेमियों को पड़ा भारी

अदालत ने लगाया 03-03 हजार रुपये जुर्माना

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल में एक ओर जहां आवारा श्वानों के आतंक से लोग परेशान हैं और इसकों लेकर लगातार शिकायतें कर रहे हैं, वहीं कई जगहों पर पशु प्रेमी भी सक्रिय हैं, जो श्वानों के खिलाफ कार्रवाई का विरोध करते हैं। ऐसे ही तीन पशुप्रेमियों को श्वानों का बचाव करना भारी पड़ गया और इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास अंकिता श्रीवास्तव ने एक ऐसे ही मामले की सुनवाई करते हुए तीनों पशुप्रेमियों पर 03-03 हजार रुपये का जुर्माना लगाया और अदालत उठने तक की सजा सुनाई है।यह है मामला बता दें कि कोर्ट ने इसे दंडनीय अपराध मानते हुए आरोपी बिंदुघाट पांडेय, श्वेता मिश्रा और अंकित मिश्रा को सजा सुनाई है। इन सभी पशु प्रेमियों पर सरकारी काम मे बाधा डालने, गाली-गलौज करने समेत अन्य आरोप थे। अदालत में सभी आरोपितों ने अपना जुर्म कुबूल किया है। यह मामला भोपाल के शाहपुरा के लक्ष्मी परिसर का था, यहां 27 दिसबंर को तीन लोगों को आवारा श्वानों ने काटा था। इसके बाद रहवासियों ने श्वानों को पकड़ने के लिए नगर निगम अमले को बुलाया था। अमला जब शाहपुरा में आवारा श्वानों को पकड़ने पहुंचा तो तीन श्वान मालिक इस कार्रवाई का विरोध करने पहुंच गए। दरअसल यहां पालतू श्वानों को भी लोगों ने खुले में छोड़ रखा था। आरोपी श्वेता मिश्रा, अंकित मिश्रा और बिंदुघाट पांडेय ने ना सिर्फ इस कार्रवाई का विरोध किया, बल्कि नगर निगम की टीम से अभद्रता करते हुए झूमाझटकी भी की थी। जिसके बाद शाहपुरा थाने में इनके खिलाफ एफआइआर भी दर्ज की गई थी।

एमपी के पर्यटन स्थलों की राह होगी आसान

राजस्थान सहित 5 राज्यों के बीच सुगम होगा यातायात 24 परियोजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण आज

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में 10 हजार 405 करोड़ रुपये की लागत से 724 किलोमीटर लंबी 24 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का मंगलवार को लोकार्पण व शिलान्यास होगा। इसके लिए भोपाल के लाल परेड मैदान और जबलपुर के वेटनरी कालेज ग्राउंट में कार्यक्रम होंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी एवं मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव भोपाल में आठ हजार 38 करोड़ रुपये लागत से 498 किलोमीटर लंबी 15 परियोजना और जबलपुर में दो हजार 367 करोड़ रुपये की लागत से 226 किलोमीटर लंबी नौ परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे।लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन परियोजनाओं से महाकोशल क्षेत्र के गेहूं और धान कृषि व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो, ओरछा, राष्ट्रीय पेंच टाइगर कारिडोर तक कनेक्टिविटी आसान होगी। बुधनी टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज और वुड क्राफ्ट व्यापार को लाभ मिलेगा। साथ ही मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली राज्यों के बीच व्यावसायिक एवं नागरिक यातायात भी सुगम होगा।

राजस्व के आठ हजार प्रकरण लंबित प्रदेश में 41वें स्थान पर भोपाल

सिटी चीफ भोपाल।

जिले की आठ तहसीलों में लगभग आठ हजार राजस्व प्रकरण लंबित हैं। वहीं राजस्व प्रकरणों को निपटाने में भोपाल का प्रदेश में 41वां स्थान है।राजस्व प्रकरणों के लंबित होने के चलते सोमवार को कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों के साथ वन टू वन चर्चा की और नाराजगी व्यक्त करते हुए फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि मंगलवार और बुधवार को सभी तहसीलों में राजस्व प्रकरणों का निपटारा करने के लिए शिविर आयोजित किए जाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज सिंह, एडीएम हरेंद्र नारायण, भूपेंद्र गोयल, अंकिता धाकरे, एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित थे।
नामांतरण, सीमांकन के मामलों का करें निराकरण जानकारी के अनुसार 30 जनवरी को गोविंदपुरा, शहर, टीटीनगर तहसील कार्यालयों में और 31 जनवरी को बैरसिया, एमपीनगर, हुजूर, कोलार तहसील कार्यालय में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज लंबित अविवादित नामांतरण, सीमांकन, नक्शे में तरमीम आदि प्रकरणों का सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार निराकरण करेंगे।शहर की आठों तहसील बैरसिया, गोविंदपुरा, कोलार, संत हिरदाराम नगर, हुजूर, शहर, टीटीनगर और एमपीनगर में लगभग आठ हजार नामांतरण, सीमांकन, बंटान आदि के प्रकरण लंबित हैं।इसी को लेकर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि लंबित प्रकरणों की संख्या शून्य की जाए। जिले को बनाना है माडल मध्यप्रदेश में शुरू हुए राजस्व महाअभियान के दौरान भोपाल जिले की तहसीलों में लंबित प्रकरणों का निराकरण कर जिले को माडल बनाना है। इसके लिए कलेक्टर ने अगले दो दिन में सभी एसडीएम को लंबित राजस्व प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रकरण बिना किसी उचित कारण के खारिज नहीं किया जाना है। एसडीएम एवं तहसीलदार के द्वारा पारित आदेश का पटवारी अगर समय-सीमा में निराकरण नहीं करते है तो यह आपराधिक कृत्य माना जाएगा।

रवींद्र भवन में लोकरंग उत्सव का अंतिम दिन

भारत भवन में फिल्म प्रदर्शन

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। मंगलवार 30 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मावन संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है।चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय किया जा रहा है। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है।

लोकरंग उत्सव - संस्कृति विभाग द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर जनजातीय और लोक कलाओं के 39वें राष्ट्रीय समारोह लोकरंग उत्सव का आयोजन रवींद्र भवन में किया जा रहा है। आज इसका अंतिम दिन है। दोपहर दो बजे से लोकनृत्यों की प्रस्तुतियों के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन एवं प्रदर्शन होगा। शाम को पीर पराई जाणे रे भक्ति संध्या होगी, जिसमें मुंबई की गायिका स्वाति मिश्रा भजन पेश करेंगी। लोकरंग उत्सव में व्यंजन और शिल्प मेला मुख्य आकर्षण है। सैन्य फिल्म प्रदर्शन - शौर्य स्मारक के मुक्ताकाश मंच पर शाम पांच बजे से महात्मा गांधी पर केंद्रित फिल्म मणि भवन दिखाई जाएगी। फिल्म्स डिवीजन के लिए इस फिल्म का निर्माण एजरा मीर ने किया है, निर्देशक सुभाष जयकर हैं। फिल्म समारोह - भारत भवन में भारत-भावना पर केंद्रित फिल्म समारोह का आयोजन 28 से 31 जनवरी तक किया जा रहा है।आज इस समारोह में तीसरे दिन शाम साढ़े छह बजे से बोस द फारगाटन हीरो फिल्म दिखाई जाएगी। नेता जी सुभाष चंद्र बोस पर केंद्रित इस फिल्म का निर्देशन श्याम बेनेगल ने किया है। दर्शकों के लिए प्रवेश निश्शुल्क है।

संपादकीय

विकास की ऊंचाइयों को छूने की दिशा में बढ़ रही है असमानता की चुनौती

बढ़ती वैश्विक चुनौतियों और आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद भारत अच्छी स्थिति में है। कुछ लोग भविष्य को लेकर भले उत्साहित हैं। लेकिन हमें रास्ते में आने वाली बाधाओं और चुनौतियों को कम नहीं आंकना चाहिए। यह भारत का दशक या भारत की सदी तभी हो सकती है, जब सभी भारतीयों के जीवन की गुणवत्ता में तेजी से सुधार हो, अवसरों की समानता हो और उन अवसरों का लाभ उठाने के लिए पर्याप्त कौशल भी हो। विकास की ऊंचाइयों को छूने की दिशा में कुछ चुनौतियां भी हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। पहली चुनौती यह है कि भारत की सफलता की कहानी असमान है। कई भारतीय वर्षों पहले की तुलना में आज कहीं बेहतर स्थिति में जरूर हैं, पर लाखों लोग अब भी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की 2024 की रिपोर्ट 'मेकिंग अवर फ्यूचर-न्यू डायरेक्शंस फॉर ह्यूमन डेवलेपमेंट इन द एशिया ऐंड पैसिफिक' में कहा गया है कि %संपत्ति में शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों की हिस्सेदारी के आधार पर देखें, तो थाईलैंड, चीन, म्यांमार, भारत और श्रीलंका सर्वाधिक आर्थिक असमानता वाले देश हैं।% रिपोर्ट में बताया गया है कि %वैश्वीकरण और तकनीकी प्रगति ने कुछ समूहों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं, जबकि दूसरों को पीछे छोड़ दिया है। इसके परिणामस्वरूप आम तौर पर पूंजीपतियों को राष्ट्रीय आय का बड़ा हिस्सा मिलता है।% अब अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के आंकड़ों को ही लें, जिनसे पता चलता है कि एशिया और प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों की आय हिस्सेदारी वैश्विक औसत से कम है। परिणामस्वरूप, श्रमिकों के पास बचत और निवेश करने के लिए कम आय होती है, जिससे असमानता और बढ़ जाती है। यूएनडीपी का यह भी कहना है कि सबसे कमजोर लोगों में अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले लोग (खासकर महिलाएं) शामिल हैं। वहीं भ्रष्टाचार, कमजोर कर नीति और प्रशासन के साथ-साथ प्रभावी सामाजिक सुरक्षा की कमी के कारण असमानता और भी बढ़ गई है%। अब यदि हम यह देखें, कि इसमें भारत का स्थान कहां है, तो यूएनडीपी की रिपोर्ट के अनुसार, हाल के दशकों में भारत ने जीवन स्तर में काफी सुधार किया है और गरीबी में काफी कमी आई है, पर असमानता में वृद्धि देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, %वर्ष 2000 और 2022 के बीच प्रति व्यक्ति आय 442 डॉलर से बढ़कर 2,389 डॉलर हो गई। और 2004 और 2019 के बीच गरीबी दर (प्रति दिन 2.15 डॉलर के अंतरराष्ट्रीय गरीबी माप के आधार पर) 40 से गिरकर 10 फीसदी हो गई। इसके अलावा, वर्ष 2015-16 और 2019-21 के बीच बहुआयामी गरीबी में रहने वाली आबादी का हिस्सा 25 से गिरकर 15 फीसदी रह गया। इन सफलताओं के बावजूद, गरीबी लगातार उन राज्यों में केंद्रित है, जहां देश की 45 फीसदी आबादी रहती है, और जहां 62 फीसदी लोग गरीब हैं। गरीबी रेखा से ठीक ऊपर वाले समूह भी बेहद कमजोर स्थिति में हैं, जिनके दोबारा गरीबी में जाने का खतरा है। इनमें महिलाएं, अनौपचारिक श्रमिक और अंतरराज्यीय प्रवासी शामिल हैं।% रिपोर्ट के अनुसार, जनसंख्या की शीर्ष 10 फीसदी आबादी को राष्ट्रीय आय का 57 फीसदी हिस्सा मिलता है और शीर्ष एक फीसदी आबादी को 22 फीसदी मिलता है, जो साफ तौर पर आय के असमान वितरण को दिखाता है। एक और बड़ी चुनौती लैंगिक विभाजन को पाटने की भी है, क्योंकि महिलाएं श्रम शक्ति का केवल 23 फीसदी हैं। इसकी कई वजहें हैं। हाल ही में जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) 2023 से पता चलता है, लड़कियां पढ़ने की इच्छुक हैं और उच्च शिक्षा की आकांक्षा रखती हैं, लेकिन अब भी कई संरचनात्मक बाधाएं हैं, जो उन्हें अपनी पूरी क्षमता का एहसास नहीं होने देतीं। यह बेहद चिंताजनक तस्वीर है, जो अलग-अलग जिलों और राज्यों में अलग-अलग तरह से दिखती है। बुनियादी वित्तीय असमानता को सुधारने पर भी काम किया जाना चाहिए, ताकि निचले तबके के लोगों का जीवन समृद्ध हो सके और वे भी एक बेहतर जीवन जीने के हकदार बन सकें। अगर हम चाहते हैं कि भारत अपनी पूरी क्षमता के साथ विकास करे और सफलता के नित नए सोपान गढ़े, तो इन बातों पर अमल करना और इस दिशा में कदम उठाना केंद्र और राज्य, दोनों के लिए बेहद आवश्यक है।

सतर्कता: चीन पर अंकुश लगाने के लिए म्यांमार सीमा पर जरूरी है बाड़बंदी

म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध के कारण सीमा पार से शरणार्थियों एवं विद्रोहियों की आमद के चलते भारत सरकार ने म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का फैसला किया है, ताकि बांग्लादेश सीमा की तरह मुक्त आवाजाही व्यवस्था खत्म की जाए। सितंबर, 2023 में मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने केंद्रीय गृहमंत्री से संदिग्ध तत्वों एवं शरणार्थियों की घुसपैठ रोकने का अनुरोध किया था। म्यांमार में उथल-पुथल और हिंसा के चलते बीते दिसंबर तक 6,000 से यादा शरणार्थियों ने मणिपुर में शरण ली है और उन्हें राय सरकार द्वारा भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। म्यांमार के साथ मणिपुर 398 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। बाड़ लगाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 1970 में शुरू की गई मुक्त आवाजाही व्यवस्था (एफएमआर) खत्म हो जाएगी। लेकिन मुश्किल यह है कि मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने बाड़ लगाने का विरोध किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से इस संबंध में अनुरोध किया है। फरवरी, 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद से म्यांमार के 38,500 से अधिक लोगों ने मिजोरम में शरण ली है, जिससे राय प्रशासन पर बोझ बढ़ गया है। रखाइन प्रांत के पश्चिमी हिस्सों में जातीय अकरम सेना (एए) द्वारा सैन्य शिविरों पर कब्जा करने के बाद 500 से अधिक म्यांमार सैनिक मिजोरम में चले आए थे। मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड समेत भारत के पूर्वोत्तर राय म्यांमार के साथ 1,643 किलोमीटर लंबी खुली पहाड़ी सीमा साझा करते हैं, जिससे सुरक्षा की समस्या पैदा होती है और निवारक उपायों की जरूरत पड़ती है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के चीन के साथ घनिष्ठ रिश्ते को देखते हुए भारत को हिंसाग्रस्त म्यांमार में युद्धरत समूहों और सेना जनरलों के बीच शांति स्थापित करके सीमावर्ती क्षेत्रों के विद्रोहियों का समर्थन करने के अलावा, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के बहाने म्यांमार के नजदीक आने की चीनी रणनीति से उसे बचाने के लिए पड़ोसी पहले की नीति के अनुरूप एक यथार्थवादी रणनीतिक खाका विकसित करने की जरूरत है। एक फरवरी, 2021 को जब म्यांमार में सेना ने तख्तापलट किया था, तो भारत ने सतर्क रुख अपनाया। भारत ने कूटनीतिक और अप्रत्यक्ष रूप से जुंटा का समर्थन किया था, आंग सान सू की के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक ताकतों का खुले तौर पर समर्थन करने से परहेज किया था, जिसने अब इसे दुविधा में डाल दिया है। भारत के सामने चीन पर अंकुश लगाने की चुनौती है, जो इसलिए खतरनाक है, क्योंकि वह कुछ जातीय समूहों का समर्थन करता है। इस जटिल परिदृश्य में द थ्री ब्रदरहुड एलायंस द्वारा दिसंबर, 2023 में ऑपरेशन 1027 चलाया गया था, जिसमें ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी, एए और म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस आर्मी शामिल थी, जिसने जुंटा को हिलाकर रख दिया था। जुंटा के खिलाफ आक्रामक हमले ने इसे एक विनाशकारी झटका दिया था, जिससे चीन को इसका समर्थन करना पड़ा। द थ्री ब्रदरहुड एलायंस ने प्रमुख सड़कों और सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया था, जिससे नकदी संकट से जूझ रहे जुंटा के राजस्व पर असर पड़ा और उसकी आवाजाही में बाधा उत्पन्न हुई। रिपोर्टों से पता चलता है कि शान राय पर अचानक हुए हमलों के बाद एए ने पश्चिमी तट पर रखाइन प्रांत में अपने बेस में सेना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। यह विद्रोहियों द्वारा पूर्व में थाईलैंड की सीमा से लगे काया राय और भारत की सीमा से लगे सागांग क्षेत्र और चिन प्रांत तक फैला एक समन्वित प्रयास था। यह सशस्त्र समूहों और जुंटा के बीच एक साल से जारी संघर्ष विराम का उल्लंघन था। इस साहसिक कदम से चीन के महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों पर सेना के नियंत्रण को खतरा है, जिससे उसके हितों पर असर पड़ेगा। एलायंस देश के एक हिस्से से जुंटा को अलग करने में सफल रहा है, जिससे होकर चीन के साथ म्यामार का 40 फीसदी द्विपक्षीय सीमा व्यापार होता है; लगभग एक अरब डॉलर का व्यापार चीन में पाइप द्वारा भेजी जाने वाली प्राकृतिक गैस से होता है। इससे पहले कि इसके चलते भारत के हितों को खतरा हो, भारत को म्यांमार के प्रति अपनी पुरानी स्थिति पर पुनर्विचार करना होगा। भारत का मानना है कि अमेरिका भारत के साथ मिलकर म्यांमार से संबंध बढ़ाने के लिए मौके का फायदा उठाए और मानवीय संकट को कम करने के लिए काम करे, जिससे जुंटा विरोधी ताकतों का समर्थन किया जा सके और संघीय लोकतंत्र की स्थापना की जा सके। भारत ने यह सुनिश्चित करने के लिए सेना और लोकतंत्र समर्थक राजनीतिक दलों से समान दूरी बनाए रखने की कोशिश की है, ताकि जुंटा चीन के पाले में न चला जाए। जातीय संगठनों के सशस्त्र विद्रोह ने बेनकाब हुए सैन्य जनरलों को कूटनीतिक झटका दिया है, जिसका सीधा असर चीन पर पड़ेगा। यूक्रेन युद्ध जुंटा के लिए एक वरदान के रूप में आया था, क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ उसमें व्यस्त थे। इस्राइल पर हमास के हमले ने पश्चिमी शक्तियों का म्यांमार से ध्यान हटा दिया है, लेकिन सशस्त्र समूहों के हमले से पूरा परिदृश्य बदल सकता है। म्यांमार में विपक्षी सांसदों द्वारा गठित राष्ट्रीय एकता सरकार (एनयूजी) को पश्चिम का करीबी माना जाता है, जो सशस्त्र समूहों के सफल हमले के बाद प्रोत्साहित महसूस कर रही है। चीन ने म्यांमार से सीमा पर स्थिरता बहाल करने का आग्रह किया है, जबकि सशस्त्र समूहों के साथ जुंटा का संघर्ष तेज हो गया है। कुछ पूर्व राजनयिक चीन द्वारा अपनाई गई दोहरी नीति से आश्चर्यचकित हैं, जो सक्रिय रूप से उग्रवादी समूहों का समर्थन कर रहा है। म्यांमार के उत्तरपूर्वी शान प्रांत में यूनाइटेड वा स्टेट आर्मी (यूडब्ल्यूएसए) को चीन से हथियार और राजनीतिक सहायता मिलती है। म्यांमार शासन ने 24 अप्रैल, 2021 को जकार्ता में अपनाए गए पांच सूत्री सर्वसम्मति समझौते को अस्वीकार कर दिया है। इसमें म्यांमार में हिंसा की रोकथाम, एक विशेष दूत का दौरा और सभी हितधारकों के बीच बातचीत शामिल थी। सैन्य जनरलों ने आसियान की शांति पहल को नजर अंदाज करने का विकल्प चुना है, जो अटकी हुई है। पश्चिम आसियान पर म्यांमार के जुंटा को अलग-थलग करने के लिए दबाव डाल रहा है।

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया: एरिक रॉथ- सफल फिल्मों के लेखक

'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे हैं हर ओर' की भांति एक फिल्म की चर्चा भी जोरों से हैऔर चारों ओर है। फिल्म का नाम है, 'किलर्स ऑफ द फ्लॉवर मून' (2023)। फिल्म को पुरस्कार मिले हैं और आने वाले ऑस्कर समारोह में उसकी धूम मचने वाली है। 'किलर्स ऑफ द फ्लॉवर मून' के निर्देशक को भला कौन नहीं जानता है। इसी के डॉयरेक्टर मार्टिन स्कॉरसेसी ने अब तक 190 पुरस्कार जीते हैं, जिसमें ऑस्कर भी शामिल है। उन्होंने 72 फिल्में बनाई है, जिनमें 'किलर्स ऑफ द फ्लॉवर मून' के पहले 'टैक्सी ड्राइवर', 'गैंग्स ऑफ न्यू यॉर्क', 'ह्यूगो', 'द वुल्फ ऑफ वॉलस्ट्रीट', 'दि एवीयेटर', 'कुंदन' 'कैसिनो' जैसी चर्चित फिल्में बनाई हैं। मगर क्या आप 'किलर्स ऑफ द फ्लॉवर मून' के स्क्रीनप्ले राइटर का नाम जानते हैं? नहीं जानते होंगे। क्योंकि अक्सर यही होता है, जब शुरू में राइटर का नाम परदे पर आता है, तो दर्शक ध्यान नहीं देता और अंत में क्रेडिट रोल करते तक दर्शक हॉल से बाहर जा चुका होता है या फिर अपना लैपटॉप बंद कर चुका होता है झ्र समीक्षक भी कदाचित ही फिल्म राइटर की बात करते हैं। लेकिन फिल्म इतिहास बिना फिल्म राइटर की बात करे आगे नहीं बढ़ सकता है। इसीलिए चलिए आज बात करते हैं, 'किलर्स ऑफ द फ्लॉवर मून' के लेखक की। इस फिल्म लेखक का नाम है एरिक रॉथ। ऑस्कर विजेता एरिक रॉथ एरिक रॉथ फिल्म लेखन करते हैं, साथ ही वह प्रड्यूसर हैं और एडिशनल क्रू भी संभालते हैं। इस फिल्म राइटर को अब तक 118 बार नामांकन मिला है और इसने 15 पुरस्कार जीते हैं और खेल अभी बाकी है। न्यूयॉर्क सिटी में 22 मार्च 1945 को एरिक का जन्म हुआ था। इन्हें लेखन हेतु एक ऑस्कर मिला है, फिल्म है 'फोरेस्ट गम्प'। साथ ही 'दि इनसाइडर', 'म्युनिख', 'द क्यूरियस केस ऑफ बेन्जामिन बटन', 'ए स्टार इज बोर्न', 'ड्यून' जैसी फिल्मों के लेखन केलिए नामांकन मिला है। 31 स्क्रीनप्ले लिखने वाले एरिक केलिए आने वाले ऑस्कर में काफी उम्मीदें हैं। आइए इनकी लिखी कुछ फिल्मों को थोड़ा विस्तार से देखते हैं। ड्यून नाम से कई बार फिल्म बनी है। 1984 (निर्देशक डेविड लिंच), 2000 में इसी नाम से कई फिल्म बनीं, मिनी टी. वी. सिरीज, वीडियो गेम, म्युजिकल वीडियो आदि बने। फिर 2021 में 'ड्यून- पार्ट वन' बनी और अब इस साल 2024 में ड्यून- पार्ट टू' बन रही है। हम बात कर रहे हैं, 2021 के ड्यून- पार्ट वन' की। इस ड्रामा, एडवेंचर, एक्शन फिल्म के कैनेडियन निर्देशक हैं, डेनिस वेल्नो। और जैसा कि चलन है, इस ढ़ाई घंटे की फिल्म का लेखन एरिक रॉथ ने डेनिस वेल्नो तथा जॉन स्पाइस के साथ मिल कर किया है। पूरी दुनिया में गैलेक्सी को नियंत्रित करने की होड़ लगी हुई है। असल में यह सारा युद्ध गैलेक्सी के बहुमूल्य संसाधनों पर कब्जा करने को ले कर है। एरिक रॉथ लिखित 'ड्यून- पार्ट वन' में भी एक कुलीन परिवार इसी युद्ध में कूदा हुआ है, लेकिन उसका वंशज भविष्य के भयंकर स्वप्न देखने लगता है। फिल्म को कुल 285 नामांकन मिले और उसने 173 पुरस्कार जीते जिसमें 6 ऑस्कर भी शामिल हैं। और फिल्म के अभिनेता हैं, टिमोथी चैलामेट, रेबेका फर्गुसन तथा जेन्डाया आदि। एरिक रॉथ ने कुरोसावा की राप्सोडी भी लिखी, इनकी लिखी 'द होर्स विस्पर' तथा 'अली' की भी खूब प्रशंसा हुई। इन्हें ड्ब्ल्यूजी ए का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, विशिष्ट उपलब्धि के लिए 2008 में स्क्रीनराइटर पुरस्कार मिला और इन्होंने 6 फिल्म भी प्रड्यूस की हैं, जिनमें से पांच टी. वी. सीरियल और एक फिल्म 'मंक' है। लेकिन इन्होंने रिटायरमेंट की सारी राशि एक स्कीम में लगा दी और वह स्कीम फेल हो गई, अत- इनको बहुत बुरे दिन देखने पड़े। इनकी पढ़ाई यूसीएलए फिल्म स्कूल में हुई, वहीं इनकी दोस्ती गायक जिम मॉरीसन से हुई, दोनों अच्छे दोस्त हैं। यूसीएलए बॉयोटेक्निस्ट तथा वकील पत्नी डेब्रा ग्रीनफील्ड में एसोशिएट प्रोफेसर हैं, हालांकि दोनों ने 1987 में शादी के बाद अब तलाक की अर्जी दी हुई है। दोनों के पांच बच्चे हैं। फिल्म 'किलर्स ऑफ द फ्लॉवर मून' एरिक रॉथ ने 'किलर्स ऑफ द फ्लॉवर मून' लिखी जिसका उल्लेख ऊपर हो चुका है। साढ़े तीन घंटे की इस फिल्म को जिसने देखा, उसने तारीफ की है। यह ड्रामा, क्राइम तथा ऐतिहासिक फिल्म है, जिसमें ओसेज नेशन लैंड की बात दिखाई गई है। तेल को लेकर चलने वाली लड़ाई से आज हम सब परिचित हैं। यह फिल्म पिछली सदी के दूसरे दशक की कहानी कहती है, जब ओक्लाहामा ओसेज नेशन लैंड का हिस्सा था और वहां खनिज तेल की खोज हुई थी। और जहां तेल निकलता है, वर्चस्व की लड़ाई शुरु हो जाती है। फिल्म दिखाती है कि तेल मिलते ही ओसेज लोगों की हत्या भी शुरु हो जाती है। हत्याओं के रहस्य को सुलझाने एफबीआई आती है और बहुत कुछ होता है। फिल्म की नायिका लिली ग्लैडस्टोन को सर्वोत्तम अभिनेत्री का गोल्डेन ग्लोब पुरस्कार मिल चुका है आने वाले ऑस्कर पर सबकी नजरे हैं, क्योंकि इसे कई नामांकन मिले हैं। फिल्म में लियोनार्डो डिकैप्रिओ के साथ रॉबर्ट डि नीरो, मतलब दो घाकड़ अभिनेता हैं। 2008 में एरिक रॉथ ने पौने तीन घंटे की ड्रामा, फंतासी, रोमांस फिल्म 'द क्यूरियस केस ऑफ बेंजामिन बटन' लिखी थी, जिसे तीन-तीन ऑस्कर से नवाजा गया था। कुल 85 पुरस्कार वाली इस फिल्म को 160 नामांकन मिले थे। इसे भी एरिक ने रोबिन स्वीकोर्ड तथा स्कॉट फिट्जेराल्ड के साथ मिल कर लिखा था। फिल्म एक विचित्र रोग की शिनाख्त करती है, जिसमें बेंजामिन बटन आयु में पीछे की ओर लौटने लगता है। इसके कारण तमाम बातें होती है। डेविड फिंचर निर्देशित इस फिल्म में मुख्य अभिनेता ब्रैड पिट तथा कैट ब्लैंचेट हैं। और याद है अलाबामा के उस आदमी की जिसकी आईक्यू मात्र 75 है, और जो अपनी बचपन के प्रेम से मिलने की ख्वाहिश रखता है। इस दो घंटे बाइस मिनट की फिल्म में यूनाइटेड स्टेट्स के पचास से सत्तर के दशक का इतिहास खुलता जाता है। 1994 की इस रोमांस तथा ड्रामा फिल्म का नाम है, 'फोरेस्ट गम्प'। इस विशिष्ट फिल्म के निर्देशक हैं, रॉबर्ट जेमेकस और अभिनेता हैं, टॉम हैंक्स, रोबिन राइट तथा गैरी सिनिसे। 6 ऑस्कर जीतने वाली इस फिल्म को एरिक रॉथ ने विन्स्टन ग्रूम के साथ मिल कर लिखा था। 74 नामंकन के साथ फिल्म ने 50 पुरस्कार जीते थे। लड़की और घोड़े के घायल होने पर एक अनोखा अश्व प्रशिक्षक आगे आता है। इस पौने तीन से कुछ ऊपर घंटे की ड्रामा, रोमांस, वेस्टर्न फिल्म 'द होर्स विस्पर' (निर्देशक-अभिनेता रॉबर्ट रेडफोर्ड) का लेखन 1998 में एरिक रॉथ ने दो अन्य लोगों के साथ मिल कर किया था। ऐसे बेनाम स्क्रीनप्ले राइटर को याद करना अच्छा लगता है।

सप्ताह भर बाद भी बरकरार है राम मंदिर परिसर की खुशबू, विशेष देसी-विदेशी फूलों का है ये असर

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा जितने भव्य तरीके से हुई, भक्तों के बीच उसकी चर्चा अब तक जारी है। राम मंदिर को भव्य तरीके से सजाने के लिए 21 हजार किलो फूलों का उपयोग किया गया। 80 से अधिक प्रकार के देशी-विदेशी फूलों का उपयोग कर मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया था। नौ बेहद खूबसूरत किस्म के फूलों को अमेरिका, जापान, थाईलैंड और अफ्रीका से मंगवाया गया था। विदेशी फूलों को विशेष तौर पर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए विदेश से मंगवाया गया था, जिससे मंदिर परिसर की खूबसूरती लंबे समय तक खुशबूदार बनी रहे। कलाकारों की मेहनत रंग लाई और प्राण प्रतिष्ठा के एक सप्ताह बाद भी अभी तक इन फूलों की सजावट, सुंदरता और खुशबू बरकरार है। मंदिर को सजाने में सबसे प्रमुख भूमिका निभाने वाले टेंपल कनेक्ट के चेयरमैन गिरीश कुलकर्णी ने अमर उजाला को बताया कि 370 से अधिक फूलों के कारीगरों और 12 विशेष डिजाइनरों की सात टीमों ने लगभग एक महीने तक मेहनत कर मंदिर को सजाने में काम किया था। मंदिर को सजाने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, कोलकाता, केरल और राजस्थान से कारीगरों की टीमें आई थीं, जिन्होंने फूलों की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए सजावट की। राम मंदिर जाने वाले मुख्य रास्ते पर सबसे प्रसिद्ध हनुमान गढ़ी मंदिर के चौराहे पर शकुंतला देवी पिछले 18 सालों से माला-फूल बेचने का काम करती हैं। उनके साथ उनके बेटे ने मंदिर के संपूर्ण परिसर को सुगंधित पुष्पों से सजाया था। इन फूलों को यह बात ध्यान में रखते हुए चुना गया था कि लंबे समय तक इनकी खुशबू हवा में तैरती रहे। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए पवित्र माने जाने वाले पौधों और फूलों को भी मंदिर की सजावट में इस्तेमाल में लाया गया था। इसमें सबसे प्रमुख नाम तुलसी, मनोकामिनी और अशोक के वृक्ष हैं। इसी प्रकार कई अन्य जड़ी-बूटियों के पौधों को भी मंदिर को सजाने में उपयोग किया गया। पूरी सजावट प्रक्रिया के दौरान मंदिर की पवित्रता का ध्यान रखा गया। कितने प्रकार के पुष्प जानकारी के अनुसार, राम मंदिर को सजाने के लिए आठ रंग के गुलाब, छह रंग के गुलबहार, छह प्रकार के ऑर्किड, चार रंग के लिली और 20 विशेष प्रकार के सुगंध रखने वाले पुष्पों का उपयोग किया गया था। 21 हजार लड़ियों के साथ-साथ 90 हजार बंडल में फूलों को लाकर मंदिर को सजाया गया था।

बसंत पंचमी का त्योहार क्यों मनाया जाता है? जानिए कैसे हुई इसे मनाने की शुरुआत

बसंत पंचमी एक हिंदू त्योहार है, जो आमतौर पर फरवरी में वसंत ऋतु के दौरान मनाया जाता है। इस शुभ दिन पर देवी सरस्वती की पूजा की जाती है, जो ज्ञान, संगीत और शिक्षा की देवी हैं। बसंत पंचमी को श्रीपंचमी, ज्ञान पंचमी भी कहा जाता है। यह त्योहार माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को पड़ता है। हिंदू परंपराओं के अनुसार पूरे वर्ष को छह ऋतुओं में बांटा गया है, जिसमें बसंत ऋतु, ग्रीष्म ऋतु, वर्षा ऋतु, शरद ऋतु, हेमंत ऋतु और शिशिर ऋतु शामिल हैं। इन ऋतुओं में से बसंत ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा कहा जाता है और इसी कारण जिस दिन से बसंत ऋतु की शुरुआत होती है, उस दिन को बसंत पंचमी के पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस साल बसंत पंचमी 14 फरवरी 2024 को मनाया जाएगा। आइए जानते हैं क्यों मानई जाती है बसंत पंचमी और कब इस पर्व को मनाने की हुई शुरुआत। बसंत पंचमी (जिसे वसंत पंचमी भी कहा जाता है) जीवन में नई चीजें शुरू करने का एक शुभ दिन है। बहुत से लोग इस दिन 卐गृहप्रवेश卐 के दिन नए घर में प्रवेश करते हैं, कोई नया व्यवसाय शुरू करते हैं या महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू करते हैं। इस त्योहार को अक्सर समृद्धि और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। बसंत पंचमी के साथ, यह माना जाता है कि वसंत ऋतु की शुरुआत होती है, जो फसलों और कटाई के लिए एक अच्छा समय है। कड़ाके की ठंड के बाद, इस त्योहार को वसंत का पहला दिन, फसल काटने का समय माना जाता है। चूंकि भारत मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान देश है, इसलिए यह समझ में आता है कि यह त्योहार भारतीयों के दिलों में काफी महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

बॉलीवुड में शाहरुख खान के साथ काम करने की योजना बना रहे हैं यश!

साउथ सुपरस्टार यश केजीएफ और केजीएफ 2 से अपनी नई पहचान बनाई। अब वे अपनी आने वाली फिल्म टॉक्सिक की तैयारी में व्यस्त हैं। वहीं अब यश ने कथित तौर पर शाहरुख खान के साथ काम करने की इछा व्यक्त की है और सितारों ने कथित तौर पर इसकी संभावना पर भी चर्चा की है। यश अपने काम को बॉलीवुड तक बढ़ा रहे हैं। कथित तौर पर अभिनेता ने नीतीश तिवारी की रामायण साइन की है। दावा किया गया है कि वह अपनी दूसरी बॉलीवुड फिल्म भी साइन करने की तैयारी में हैं।

सही कहानी का इंतजार

इन अफवाहों के बीच अब दावा किया गया है कि यश और शाहरुख एक फिल्म के लिए समझौता कर सकते हैं, लेकिन केवल एक चीज जो उन्हें रोक रही है, वह है एक आदर्श स्क्रिप्ट। रिपोर्ट्स के अनुसार, यश और शाहरुख खान के साथ काम करने को लेकर बातचीत हुई है और यह एक ऐसा विचार है, जिसने दोनों अभिनेताओं को बेहद उत्साहित किया है। हालांकि, उन्हें एक साथ सहयोग करने के लिए सही परिजोजना की आवश्यकता है, क्योंकि यह बहुत सारी उम्मीदों के साथ आएगा। वे अपने प्रशंसकों को निराश नहीं करना चाहते हैं, इसीलिए वे चाहते हैं कि यह जल्दी में उठाए गए कदम के बजाय एक सोच-समझकर उठाया गया कदम हो।

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ हो रही बातचीत

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि यश एक अन्य परियोजना के लिए रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ बातचीत कर रहे हैं। टीम से जुड़े सूत्र ने कहा कि वे पहले से ही अपनी दूसरी फिल्म के लिए बातचीत कर रहे हैं, जो एक एक्शन परियोजना है। इस परियोजना के लिए वे रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ बातचीत कर रहे हैं। फिलहाल, उन्होंने अभिनेता के साथ रचनात्मक विचारों पर चर्चा की है, जिन्हें यह पसंद आया है और वह देखना चाहते हैं कि यह कैसा होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यश फिलहाल केवल उन परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जो उनके हाथ में हैं।

यश की आने वाली फिल्म

वहीं बात करें यश की आने वाली फिल्म के बारे में तो अभिनेता के हाथ में कुछ परियोजनाएं हैं। अभिनेता ने पिछले महीने अपनी नई कन्नड़ फिल्म की घोषणा की, जिसका नाम %टॉक्सिक% है। फिल्म में अभिनेता एक एंटी-हीरो का किरदार निभाते नजर आएंगे। हालांकि, यह पता चला है कि गीतू मोहनदास फिल्म का निर्देशन करेंगे, बाकी कलाकारों का विवरण अभी भी गुप्त है। खबर है कि फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर करीना कपूर के नाम पर विचार किया जा रहा है।

राजामौली की फिल्म को लेकर सामने आई बड़ी जानकारी, एसएसएमबी 29 के लिए महेश बाबू ने नहीं ली फीस

तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू ने हाल ही में फिल्म गुंटूर कारम में नजर आए थे। त्रिविक्रम श्रीनिवास के निर्देशन में बनी यह फिल्म 12 जनवरी को संक्रांति उत्सव के मौके पर दुनियाभर में रिलीज हुई थी। फैंस को उनकी यह फिल्म काफी पसंद आई थी। वहीं, कई समीक्षकों ने फिल्म पर मिली जुली प्रतिक्रिया दी थी। फिल्म को लेकर उत्साहित हैं लोग अब अभिनेता जल्द ही एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म में अभिनय का जलवा दिखाते हुए नजर आने वाले हैं। फिल्म को इस समय एसएसएमबी 29 कहकर पुकारा जा रहा है। एलान के बाद से ही लोगों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि यह फिल्म लोकप्रिय हॉलीवुड फिल्म सीरीज इंडियाना जोन्स की तर्ज पर होगी और इसमें हनुमान से संबंधित एक कहानी देखने को मिलेगी। महेश बाबू ने नहीं ली फीस इस बीच फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स की मानें तो आम तौर पर प्रति फिल्म 60 से 80 करोड़ रुपये के बीच शुल्क लेने वाले महेश बाबू ने राजामौली के प्रोजेक्ट के लिए कोई भी पारिश्रमिक नहीं लेने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि फिल्म से होने वाले मुनाफे में वे राजामौली के साथ हिस्सेदारी करेंगे। फिलहाल फिल्म टीम ने अभी तक इन रिपोर्ट्स की पुष्टि नहीं की है। बड़े बजट में बनेगी फिल्म रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एसएसएमबी 29 का बजट 1000 करोड़ रुपये के आसपास है। बताया जा रहा है कि फिल्म की स्क्रिप्ट बनकर तैयार हो गई है और वर्तमान में एसएसएमबी 29 के लिए प्री-प्रोडक्शन कार्य चल रहा है। हालांकि, फिल्म को लेकर किसी भी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

सोमवार को लुढ़का फाइटर का कलेक्शन... बॉक्स ऑफिस पर बरकरार हनुमान का जलवा

सिने प्रेमियों के लिए 2024 की शुरुआत में ही साउथ से लेकर बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड फिल्मों ने भी बड़े पर्दे पर दस्तक दी है। इन दिनों सिनेमाघरों में ऋतिक रोशन की फाइटर, महेश बाबू की गुंटूर कारम और तेजा सजा की फिल्म हनुमान लगी हुई है। कुछ फिल्मों को लेकर दर्शकों के बीच रिलीज के बाद भी क्रेज दिखाई दिया है, तो वहीं, कुछ बहुप्रतीक्षित फिल्मों को रिलीज के बाद निराशा हाथ लगी है। ये सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर एक-दूसरे को जबर्दस्त टक्कर देने में लगी हैं। तो आइए जानते हैं सोमवार को इन फिल्मों का कैसा हाल रहा...

फाइटर

सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी फिल्म फाइटर की रिलीज दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म ने 22.5 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी। इस फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार था। फिल्म की कमाई ने वीकेंड पर रफ्तार पकड़ी थी। वहीं अब एक बार फिर फाइटर के कलेक्शन में गिरावट देखने को मिली है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर फाइटर दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। फाइटर ने पांचवे दिन 8 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी के साथ ही अब तक इस फिल्म ने 126.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

हनुमान

प्रशांत वर्मा के निर्देशन में बनी और निरंजन रेड्डी द्वारा निर्मित फिल्म हनुमान बॉक्स ऑफिस पर डटी हुई है। तेजा सजा स्टारर हनुमान दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। फिल्म को दर्शकों से मिल रहे प्यार के बाद अब फिल्म के सीक्वल 'जय हनुमान' की भी घोषणा हो गई है। हनुमान ने 18वें दिन 1.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अब तक इस फिल्म ने 174.45 करोड़ की कमाई कर ली है।

गुंटूर कारम

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की बहुप्रतीक्षित फिल्म गुंटूर कारम ने रिलीज से पहले दर्शकों के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचाया हुआ था। इस फिल्म से महेश बाबू ने लंबे वक्त बाद अपनी वापसी की है। सोमवार को यानी कि 18वें दिन फिल्म ने महज 34 लाख रुपये की कमाई की है। इसी के साथ ही अब गुंटूर कारम का कुल कारोबार 123.19 करोड़ रुपये हो गया है।

एआर रहमान ने एआई की मदद से दिवंगत गायकों की आवाज में तैयार किया गाना, लाल सलाम में सुन सकेंगे लोग

एआर रहमान भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिभावान संगीतकारों में से एक हैं। उन्होंने अपनी आगामी फिल्म के संगीत से इस बात को एक बार फिर साबित कर दिया है। म्यूजिक इंडस्ट्री को फिर से परिभाषित करने वाला कदम उठाते हुए उन्होंने अपने नवीनतम प्रोजेक्ट लाल सलाम के लिए दिवंगत गायक बंबा बाक्या और शाहुल हमीद की आवाज को पुनर्जीवित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई का उपयोग किया है।

म्यूजिक कंपनी ने दी जानकारी

सोनी म्यूजिक साउथ ने सोमवार (29 जनवरी) को सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, लाल सलाम से थिमिरी येजुदा गाने में बंबा बाक्या और शाहुल हमीद की मंत्रमुग्ध कर देने वाली आवाजें टाइमलेस वॉइस एक्स एआई वॉयस मॉडल से संभव हुईं। यह इंडस्ट्री में पहली बार है कि दिवंगत दिग्गजों की आवाज को वापस जीवंत किया गया है।

एआर रहमान ने कही यह बात

इस पोस्ट को क्वोट करते हुए एआर रहमान ने लिखा, हमने उनके परिवारों से अनुमति ली और उनके वॉयस एल्गोरिदम का उपयोग करने के लिए उचित पारिश्रमिक भेजा हैज् अगर हम इसका सही तरीके से उपयोग करते हैं तो तकनीक से कोई खतरा नहीं है।

लाल सलाम में दिखेंगे ये सितारे

ऐश्वर्या रजनीकांत द्वारा निर्देशित, लाल सलाम एक आकर्षक सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। फिल्म में कई शानदार कलाकार हैं, जिनमें विष्णु विशाल और विक्रांत मुख्य भूमिका में हैं, जबकि रजनीकांत एक विस्तारित कैमियो भूमिका में हैं। लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित फिल्म की कहानी विष्णु रंगासामी ने लिखी है। साथ ही, उन्होंने ऐश्वर्या रजनीकांत के साथ मिलकर इसकी पटकथा भी लिखी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में पूर्व क्रिकेटर कपिल देव भी कैमियो करते नजर आएंगे।

सिलिकॉन वैली फाउंडेशन को रीड हेस्टिंग्स ने दिए इतने मिलियन शेयर, नेटफ्लिक्स स्टॉक का किया अनुदान

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के सह-संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष रीड हेस्टिंग्स ने सिलिकॉन वैली कम्युनिटी फाउंडेशन को स्ट्रीमिंग कंपनी के 2 मिलियन शेयर दे दिए हैं। इन शेयर्स की कीमत करीब 1.1 बिलियन डॉलर है। एसईसी फाइलिंग के मुताबिक, रीड हेस्टिंग्स ने 24 जनवरी को 2 मिलियन नेटफ्लिक्स शेयरों का निपटान किया है, जो कि एक अज्ञात इकाई को गिफ्ट के रूप में दिए गए थे।

रीड ने फाउंडेशन को दिए 2 मिलियन शेयर

एसईसी फाइलिंग के अनुसार, लाभकारी स्वामित्व में परिवर्तन के विवरण पर लेनदेन कोड को जी के रूप में चिह्नित किया गया था, जो कि सच्चा गिफ्ट दर्शाता है। वहीं, शेयरों के प्राप्तकर्ता का खुलासा नहीं किया गया है। लेन-देन से परिचित एक सूत्र के मुताबिक, हेस्टिंग्स ने सिलिकॉन वैली कम्युनिटी फाउंडेशन को 2 मिलियन शेयर दिए हैं। एक चैरिटेबल फाउंडेशन जो कि कहता है कि यह खाड़ी क्षेत्र में प्रणालीगत असमानताओं को कम करने वाली रणनीतियां प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण अंतरालों और विभाजनों को पाटने के लिए काम करता है।

हेस्टिंग्स के पास हैं इतने बिलियन डॉलर के शेयर

रीड हेस्टिंग्स के पास अपने पारिवारिक ट्रस्ट के माध्यम से अभी भी 2.99 मिलियन नेटफ्लिक्स शेयर हैं, जिनकी कीमत कई मिलियन स्टॉक विकल्पों के अलावा लगभग 1.72 बिलियन डॉलर है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, हालिया स्टॉक लेनदेन से पहले, हेस्टिंग्स की अनुमानित कुल संपत्ति लगभग 6.6 बिलियन डॉलर थी, जो ज्यादातर नेटफ्लिक्स स्टॉक और ऑप्शंस में उनकी हिस्सेदारी से जुड़ी थी।

2023 में रीड हेस्टिंग्स ने छोड़ा सीईओ का पद

गौरतलब है कि रीड हेस्टिंग्स साल 2023 में नेटफ्लिक्स के कार्यकारी अध्यक्ष बने, 25 साल तक इस पद पर रहने के बाद एक साल पहले उन्होंने सीईओ का पद छोड़ दिया। वर्तमान में, टेड सारंडोस और ग्रेग पीटर्स स्ट्रीमिंग दिग्गज के सह-सीईओ के रूप में काम करते हैं।

रातों-रात स्टार्स बने इन अभिनेताओं को नहीं रास आई सिनेमा इंडस्ट्री, एक्टिंग की दुनिया को कहा अलविदा

हिंदी सिनेमा में ऐसे कई सितारे हुए, जिन्होंने रातों-रात सफलता की ऊंचाईयों का छूआ। इन अभिनेताओं ने अपने पहली फिल्म से दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली और देखते ही देखते स्टार्स का तमगा हासिल कर लिया। अपने करियर में इन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया, लेकिन इसके बाद उन्होंने एक्टिंग को अलविदा कह दिया। चलिए आपको ऐसे ही कुछ अभिनेताओं के बारे में बताते हैं। इस लिस्ट में पहला नाम सुपरस्टार राजेंद्र कुमार के बेटे कुमार गौरव उर्फ मनोज कुमार का है। कुमार गौरव ने अपने करियर की शुरूआत साल 1981 में आई फिल्म लव स्टोरी से की थी। इस फिल्म ने कुमार गौरव के रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद कुमार गौरव ने तेरी कसम, स्टार, लवर्स और रोमैंस जैसी फिल्में की। हालांकि, ये फिल्में नहीं

चली। इन फिल्मों ने कुमार को लवर बॉय के इमेज में बांध दिया, जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने संजय दत्त के साथ नाम में काम किया, लेकिन इसका फायदा संजय दत्त को मिला, जिसके बाद संजय के साथ उनके रिश्ते में खटास आ गई। नाम के बाद कुमार की कई फिल्में लाइन से फ्लॉप हो गईं और उन्होंने खुद को इंडस्ट्री से दूर कर लिया। विनोद खन्ना के बेटे राहुल खन्ना ने साल 1999 में फिल्म 1947 अर्थ से डेब्यू किया। फिल्म सुपरहिट रही। इस फिल्म में उनके साथ आमिर खान थे। राहुल को 1947 अर्थ के लिए बेस्ट मेल डेब्यू अवार्ड भी मिला था। इस फिल्म ने राहुल को स्टार बना दिया, लेकिन राहुल का करियर अपने पिता या छोटे भाई अक्षय खन्ना की तरह नहीं चमका। उन्होंने अयान मुखर्जी की वेक अप सिड और सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण स्टारर लव आज कल में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई फिर वे एक्टिंग से दूर हो गए। इस लिस्ट में अपने जमाने के हैंडसम अभिनेता रजत बेदी का भी नाम शामिल है। रजत ने अपने करियर में विलेन की भूमिका निभा कर खूब नाम कमाया। उन्होंने फिल्म दो हजार एक से विलेन के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। रजत ने एक के बाद एक कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया। ऋतिक रोशन स्टारर कोई मिल गया में रजत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन यही फिल्म उनके एक्टिंग से ब्रेक लेने की वजह बनी, जिसका खुलासा उन्होंने खुद एक साक्षात्कार में किया था। रजत ने कहा था कि 'कोई मिल गया' में उनके काफी सारे सीन्स को काटा दिया गया था, जिससे वे काफी निराश हुए थे और एक्टिंग से ब्रेक लेकर कनाडा चले गए।

मंडी में नए काबुली चने की आवक का श्रीगणेश, मांग के दबाव से लंबी मंदी नहीं

Demo Pic

इंदौर। छावनी अनाज मंडी में सोमवार को नए काबुली चने की आवक का श्रीगणेश हुआ। छोटा बांगड़दा से किसान बुरखीलाल एक बोरी नया काबुली चना लेकर मंडी पहुंचे। माल में नमी की मात्रा अधिक थी। मुहुर्त में दलाल सुरेशा हेड़ा के मार्फत ओहो एक्सपोर्ट ने नए काबुली का सौदा 20001 रुपये के भाव से किया। इस साल काबुली की फसल अच्छी होकर बीते साल के मुकाबले सवा-डेढ़ी बताई जा रही है। इसके बाद भी फिलहाल भाव में ज्यादा मंदी के आसार नहीं है।दरअसल, काबुली में कैरीफारवर्ड स्टाक नहीं है। ऐसे में पाइपलाइन खाली होने का फायदा फिलहाल जो माल आ रहा है, उसे मिल रहा है। नई फसल के सूखे माल का प्रेशर मार्च तक ही बनेगा। उससे पहले सिर्फ छिटपुट आवक होगी। मार्च में ही रमजान है। लिहाजा रमजान पूर्व की मांग निकलने लगी है। विदेशी मांग से भी कंटेनर भाव में तेजी देखी जा रही है। कुल मिलाकर व्यापारिक धारणा है कि महीनेभर तक काबुली के भाव में 200-400 का उतार-चढ़ाव चलता रहेगा। सोमवार को मंडी में पुराने काबुली की आवक 600 बोरी रही। पुराना काबुली चना मीडियम 11000-11500, बेस्ट 11500-12500, सुपर 12500-14300 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। मध्यप्रदेश में पिछले वर्ष के 2.30 लाख टन काबुली चने के उत्पादन के मुकाबले इस वर्ष 3.50 लाख टन का उत्पादन होने की अनुमान है। अन्य राज्यों (महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र, तमिलनाडु) में भी लगभग एक लाख टन के आसपास उत्पादन रहने का आकलन है। 2024 कुल उपलब्धता: 4.50 लाख टन रहने का अनुमान है। इधर, 2023 में काबुली फसल कमजोर और ऊंचा भाव रहने से आयात में एक लाख टन रहने की उम्मीद थी जो 2022 में मात्र 2,583 टन ही था। 2023 में भारत ने सबसे अधिक 60,000 टन से अधिक काबुली सूडान से आयात किया। काबुली चने की घरेलू खपत लगभग 2.5 लाख टन और निर्यात 1.25-1.50 लाख टन के आसपास रहता है, यानी की कुल खपत लगभग चार लाख टन रहने का अनुमान है।

2024 के लिए काबुली चने का सप्लाई मांग की पूर्ति के अनुसार पर्याप्त नजर आ रहा और भविष्य की तेजी-मंदी निर्यात पर निर्भर करेगी। भारत का निर्यात में मेक्सिको सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी देश है और अब उसकी फसल पर काफी कुछ निर्भर करेगा। इधर, चना कांटे में सीमित पूछपरख रहने से भाव मे सुधार रहा। चना कांटा सुधरकर नीचे में 5950 तथा ऊपर में 5975 रुपये प्रति क्विंटल तक बोला गया। तुवर-मूंग में मिलर्स की लेवाली जोरदार रहने और आवक में भारी कमी के कारण भाव में जोरदार तेजी रही। तुवर में करीब 400 और मूंग में करीब 200 रुपये की तेजी दर्ज की गई। इसके चलते तुवर दाल में 200, मूंग दाल में 100 मूंग मोगर में 100 और चना दाल में 100 रुपये की तेजी रही। अन्य दाल-दलहन में कारोबार सामान्य रहा। कंटेनर में डॉलर चना बढ़कर 40/42 15100, 42/44 14900, 44/46 14700, 58/60 12700, 60/62 12600, 62/64 12500 रुपये क्विंटल पर पहुंच गया।

दलहन के दाम - चना कांटा 6000, विशाल 5800, डंकी 5250-5590, मसूर 6050, तुवर महाराष्ट्र सफेद 10100-10400, कर्नाटक 10500-10800, निमाड़ी तुवर 8800-10000, मूंग 9000-9200, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8500-9000, मीडियम 7000-7700, हल्की उड़द 3000-5000, गेहूं मिल क्वालिटी 2650-2700, मालवराज 2450-2500, मालवराज बेस्ट 2575-2600, पूर्णा 2700-3330 रुपये क्विंटल।

दालों के दाम - चना दाल 7500-7600, मीडियम 7700-7800, बेस्ट 7900-8000, मसूर दाल 7400-7500, बेस्ट 7600-7700, मूंग दाल 10500-10600, बेस्ट 10700-10800, मूंग मोगर 11000-11100, बेस्ट 11200-11300, तुवर दाल 12200-12300, मीडियम 13200-13300, बेस्ट 14400-14500, ए. बेस्ट 15400-15500, ब्रांडेड तुवर दाल नई 15500, उड़द दाल 10700-10800, बेस्ट 10900-11000, उड़द मोगर 11000-11100, बेस्ट 11200-11300 रुपये क्विंटल।

इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-125500, तिबार 9500-10000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9000, मिनी दुबार 7500-8000, मोगरा 4200-6500, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

इंदौर, उज्जैन और रतलाम सराफा बाजार में सोना-चांदी में तेजी, ये हैं आज के दाम

इंदौर। शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव के बाद निवेशकों का ध्यान बुलियन मार्केट की तरफ भी जाने लगा है। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सोने और चांदी में जोरदार तेजी रही। कामेक्स पर सोना उछलकर 2033 डॉलर प्रति औंस और चांदी भी बढ़कर 23.03 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इसके चलते इंदौर मार्केट में भी सोने और चांदी में बढ़त रही।इंदौर में सोना कैडबरी 100 रुपये बढ़कर 63900 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 250 रुपये उछलकर एक बार फिर 73000 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। वैवाहिक मुहूर्त खूब होने के कारण सराफा बाजारों में अच्छी खासी रौनक दिखाई दे रही है। कीमतें ऊंची होने की वजह से ज्यादातर व्यापार लाइट वेट गहनों में देखा ज रहा है। कामेक्स सोना ऊपर में 2033 तथा नीचे में 2017 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 23.03 व नीचे में 22.77 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इंदौर में सोना कैडबरी 100 रुपये बढ़कर 63900 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 250 रुपये उछलकर एक बार फिर 73000 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। वैवाहिक मुहूर्त खूब होने के कारण सराफा बाजारों में अच्छी खासी रौनक दिखाई दे रही है। कीमतें ऊंची होने की वजह से ज्यादातर व्यापार लाइट वेट गहनों में देखा ज रहा है। कामेक्स सोना ऊपर में 2033 तथा नीचे में 2017 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 23.03 व नीचे में 22.77 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। सोना स्टैंडर्ड 64000 रुपये तथा सोना रवा 63900 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 73200 रुपये तथा चांदी टंच 73100 रुपये प्रति किलो बोली गई। सिक्का 800 रुपये प्रति नग रहा।

रतलाम सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम सोना स्टैंडर्ड 64200 रुपये तथा सोना रवा 64150 रुपये रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी चौरसा 73100 रुपये तथा चांदी टंच 73200 रुपये प्रति किलो बोली गई।

फ्रांसिसी राष्ट्रपति ने की अंतरराष्ट्रीय कक्षाएं शुरू करने की घोषणा, भारतीय छात्रों को मिलेगा फायदा

इस वर्ष गणतंत्र दिवस के मौके पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत की राजकीय यात्रा पर आए थे और गणतंत्र दिवस के समारोह में शामिल हुए। भारत की अपनी राजकीय यात्रा के अवसर पर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने (अंतर्राष्ट्रीय कक्षाएं) शुरू करने की घोषणा की। यह भारतीय छात्रों के लिए फ्रांस में अपनी पसंद की डिग्री हासिल करने से पहले एक साल के लिए फ्रेंच सीखने का एक विशेष कार्यक्रम है। यह पहल 26 जनवरी को राष्ट्रपति मैक्रों और प्रधान मंत्री मोदी द्वारा समर्थित संयुक्त वक्तव्य में परिलक्षित होती है। इस बात की जानकारी फ्रांसीसी दूतावास की ओर से साझा की गई है।भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार, 25 जनवरी को जयपुर के अंबर किले में उनके स्वागत के लिए एकत्र हुए भारतीय छात्रों से बातचीत की थी। एम्बर किले की अपनी यात्रा पर, मैक्रों के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर और राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी भी थीं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 2030 तक भारत से 30,000 छात्रों का स्वागत करने के फ्रांस के लक्ष्य की घोषणा की। फ्रांस में अंतर्राष्ट्रीय कक्षाओं की स्थापना से भारतीय छात्रों को अपनी पढ़ाई में उन्नति करने और आसानी से फ्रांसीसी शैक्षिक प्रणाली में स्थानांतरित होने में मदद मिलेगी। यह निर्णय भारतीय छात्रों के जीवन को यथासंभव सुविधाजनक बनाने के प्रति फ्रांस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आखिरकार सरफराज खान को मिल ही गई टीम में जगह, प्रथम श्रेणी में 69.85 के औसत से जड़े हैं रन

नई दिल्ली। आखिरकार सरफराज खान को टीम में जगह मिल ही गई। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 69.85 की औसत से रन बनाए हैं। यह मौका उन्हें तब मिला, जब रविंद्र जडेजा व केएल राहुल चोटिल होने की वजह से बाहर हो गए। उन्होंने अभी इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 161 रनों की जबरदस्त पारी खेली थी। उनके साथ में वॉशिंगटन सुंदर और सौरभ कुमार भी टीम में जगह बनाने में सफल हो गए हैं।सरफराज खान अभी महज 26 साल के हैं। उन्होंने 9 साल पहले प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलना शुरू कर दिया था। 45 मैच की 66 पारियों में 69.85 का औसत रहा है। उन्होंने 14 शतक व 11 अर्धशतक की दम पर 3912 रन बनाए हैं। उन्होंने 301 रनों की नाबाद पारी भी खेली है। वह मुंबई की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। रविंद्र जडेजा व केएल राहुल को चोट लगने की वजह से वह इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह तीन खिलाड़ियों को टीम में स्थान दिया गया है। स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर 6 टेस्ट मैच में भारत की तरफ से खेल चुके हैं। सौरभ कुमार बाएं हाथ के स्पिनर हैं। उन्होंने अभी तक डेब्यू नहीं किया है। रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, श्रेयस अय्यर, केएस भरत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आवेश खान, सरफराज खान, रजत पाटीदार, वाशिंगटन सुंदर, सौरभ कुमार।

तंत्रिकाओं से लेकर हार्ट-बीट ठीक रखने के लिए जरूरी है पोटैशियम, आपके आहार में है इसकी मात्रा ?

शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए आहार का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हमारे भोजन में वो सारी चीजें होनी चाहिए जिससे शरीर को आवश्यक पोषक तत्वों की आसानी से पूर्ति हो सके। आहार की पौष्टिकता में सुधार करके कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है। शरीर के तमाम कार्यों के लिए पोटैशियम बहुत आवश्यक तत्व माना जाता है, क्या आपके आहार में इसकी मात्रा है? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए पोटैशियम एक अति आवश्यक पोषक तत्व है। ये तंत्रिकाओं को स्वस्थ रखने से लेकर हार्ट-बीट ठीक रखने, ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने, मांसपेशियों में लचीलेपन को बनाए रखने में सहायक है। इसकी शरीर में कमी हो जाए तो कई प्रकार की बीमारियों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है।पोटैशियम कई प्रकार से शरीर के लिए जरूरी आहार विशेषज्ञ बताते हैं, पोटैशियम शरीर के लिए महत्वपूर्ण खनिजों में से एक है। यह शरीर में तरल पदार्थ को नियंत्रित करने, तंत्रिका संकेत भेजने और मांसपेशियों के संकुचन को नियंत्रित करने में मदद करता है। शरीर में लगभग 98% पोटैशियम आपकी कोशिकाओं में पाया जाता है। ये खनिज, तंत्रिका तंत्र के कार्यों के लिए बहुत जरूरी है। तंत्रिका तंत्र ही आपके मस्तिष्क और शरीर के बीच संदेश भेजते हैं। रक्त में पोटेशियम के स्तर में कमी से शरीर की तंत्रिका आवेग उत्पन्न करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।पोटैशियम आपके हार्ट को ठीक से काम करते रखने के लिए भी आवश्यक तत्व है। हाई ब्लड प्रेशर को हार्ट के लिए सबसे समस्याकारक माना जाता है। पोटैशियम युक्त आहार, शरीर से अतिरिक्त सोडियम को निकालने में मदद करके रक्तचाप को कम करने में सहायक है। पोटैशियम की कमी से शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ने का खतरा हो सकता है। इसके साथ पोटैशियम को ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि पोटेशियम युक्त आहार मूत्र के माध्यम से अतिरिक्त कैल्शियम को बाहर निकलने से रोकने में सहायक है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिमों को कम कर सकते हैं।डाइटिशियन बताते हैं, शरीर के लिए 3,400mg पोटैशियम की मात्रा पर्याप्त हो सकती है। आहार के माध्यम से आसानी से इसकी पूर्ति कर सकते हैं। पशुओं और प्लांट बेस्ड दोनों प्रकार के आहार में पोटैशियम होता है। पौष्टिक चीजों की मात्रा बढ़ाकर शरीर के लिए दैनिक पोटैशियम आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि किन चीजों में ये अधिक मात्रा में पाया जाता है?आहार की कई चीजें पोटैशियम से भरपूर होती हैं। सूखे फल (किशमिश, खुबानी) सेम, दाल, आलू, पालक, ब्रोकली और एवोकाडो के सेवन से शरीर के लिए आसानी से पोटैशियम की पूर्ति की जा सकती है। डेयरी उत्पाद और हरी पत्तेदार सब्जियों के सेवन से आसानी से ये पोषक तत्व प्राप्त हो सकता है।

कार दुर्घटना में घायल हुए बल्लेबाज ऋषभ पंत, एम्बुलेंस को लेकर की अपील

नई दिल्ली । भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कार दुर्घटना के बाद पेशेवर क्रिकेट में वापसी के लिए लगभग तैयार हो गए हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि वह आगामी आईपीएल से मैदान पर दिखेंगे। पंत दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते नजर आएंगे। 30 दिसंबर, 2022 को कार दुर्घटना का शिकार होने के बाद पंत बुरी तरह घायल हो गए थे। उनकी गाड़ी में आग लग गई थी। पंत ने उस वक्त को याद करते हुए कहा कि उस दौरान ऐसा लगा था कि दुनिया में उनका समय समाप्त हो गया है। पंत के दाहिने घुटने का लिगामेंट फट गया था और उनकी दाहिनी कलाई, टखने और पैर के अंगूठे के साथ-साथ उनकी पीठ पर भी चोटें आई थी। अपने चेहरे की चोटों, घावों और खरोंचों को ठीक करने के लिए उन्होंने सर्जरी करवाई। पंत ने एक इंटरव्यू में उस कष्टदायक अनुभव के बारे में बताया जिससे लगभग उनकी जान चली गई थी। पंत ने कहा, जीवन में पहली बार मुझे ऐसा लगा जैसे इस दुनिया में मेरा समय खत्म हो गया है। दुर्घटना के दौरान मुझे घावों के बारे में पता था, लेकिन मैं भाग्यशाली था क्योंकि यह और भी गंभीर हो सकता था। मुझे लगा कि किसी ने मुझे बचा लिया है। मैंने पूछा डॉक्टर ने कहा कि मुझे ठीक होने में कितना समय लगेगा तो उन्होंने कहा कि इसमें 16-18 महीने लगेंगे। मुझे पता था कि मुझे इस रिकवरी समय को कम करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। उस दुर्घटना के एक साल से अधिक समय बाद पंत अब ठीक हो गए हैं और जल्द ही मैदान पर लौटने की संभावना है। उन्होंने सोमवार (29 जनवरी) को सोशल मीडिया पर लोगों से एम्बुलेंस को लेकर खास अपील भी की। पंत ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, मुझे उम्मीद है कि भारत में भी लोग एम्बुलेंस के लिए ऐसा ही करेंगे। आप कभी नहीं जानते कि केवल एम्बुलेंस को रास्ता देकर कितनी जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। हम केवल एम्बुलेंस को रास्ता देकर व्यक्तिगत रूप से यह पहल कर सकते हैं और लोगों की जान बचा सकते हैं। उन लोगों को धन्यवाद जो पहले से ही ऐसा कर रहे हैं।

कलेक्टर एवम जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल ने कहा

ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी मशीने नवीन ईव्हीएम वेयर हाउस में सुरक्षित रखी जाना सुनिश्चित किया जाए

दमोह, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु ईव्हीएम मशीनों की एफएलसी का कार्य 29 जनवरी से 20 फरवरी 24 तक प्रस्तावित है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल ने जिले के समस्त रिटर्निंग आफिसर्स से कहा है विधानसभा निर्वाचन 2023 में विधानसभा क्षेत्र 54 पथरिया, 55 दमोह, 56 जबेरा एवं 57 हटा निर्वाचन के दौरान उपयोग में ली गई व्हीव्हीपीएटी मशीने पॉलिटेक्निक कॉलेज दमोह में स्थित स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखी गई है, जिनका परिवहन शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज से जिला कार्यालय के (नवीन ईव्हीएम वेयर हाउस डायमंड पार्क के बाजू से) दमोह में 29 जनवरी 24 को स्थानांतरित कर एफएलसी कार्य प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा है विधानसभा 2023 के दौरान विधानसभा क्षेत्र 54 पथरिया, 55 दमोह, 56 जबेरा एवं 57 हटा में उपयोग में ली गई ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी मशीने जो शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में स्थित स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखी गई है, जिनका परिवहन 29 जनवरी 24 को जिला कार्यालय के नवीन वेयर हाउस में स्थानांतरण की जाएगी। उक्त कार्य के लिए आपकी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अधीनस्थ पटवारी, कोटवार, भृत्य की ड्यूटी निर्धारित की जाकर जिला कार्यालय के नवीन ईव्हीएम वेयर हाउस (डायमंड पार्क के बाजू से) दमोह में सुरक्षित रखी जाना सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्पित वर्मा के करकमलों से संपन्न हुआ ध्वजा रोहण कार्यक्रम

केंद्रीय विद्यालय दमोह में गणतंत्र दिवस समारोह संपन्न

दमोह, केंद्रीय विद्यालय दमोह में 75 वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ध्वजा रोहण कार्यक्रम मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्पित वर्मा के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। बाल बाटिका के विद्यार्थियों ने नन्हा - मुन्ना राही हूँ, देश का सिपाही हूँ गीत पर परेड प्रदर्शन कर अपने आपको देश सेवा हेतु समर्पित करने का संकल्प लिया। प्राथमिक विभाग के विद्यार्थियों के एक समूह ने हमको इस गगन में एक तारा मिल गया गीत गाकर अपने देश भारत का यशोगान किया वहीं दूसरे समूह ने पुलवामा आक्रमण को अभिमंचित कर शहीदों की यादें ताज़ा कर दीं। माध्यमिक विभाग की छात्राओं ने आरम्भ है प्रचंड, हमारे मौलिक कर्तव्यों, विजयी भवो आदि गानों पर थिरकते हुए विभिन्न संरचनाएँ जैसे फूल, पिरामिड आदि बनाई। माध्यमिक विभाग के छात्रों ने ये है नया हिंदुस्तान गीत के माध्यम से नए भारत में अपने सभी सपने साकार होने की बात कही। उचतर माध्यमिक विभाग के विद्यार्थियों ने अपने अभिनय के माध्यम से विकसित भारत में शिक्षा, चिकित्सा, यातायात आदि सुविधाओं को प्रदर्शित किया। गणतंत्र दिवस का महत्त्व प्रतिपादित करते हुए विद्यालय की दो छात्राओं सौम्या श्रीवास्तव और अंजली सिरोठिया ने अपने विचार व्यक्त किए। अपने भाषण में सीईओ अर्पित वर्मा ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनायें देते हुए छात्र -छात्राओं से आधुनिक संसाधनों का उपयोग करते हुए देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की छात्राओं वैष्णवी रतले और स्वाति पटैल द्वारा किया गया।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण सम्पन्न

गुरुनानक एडुकेशन सोसायटी के उपाध्यक्ष गुरजीत सिंह बग्गा की अध्यक्षता में हुआ सम्पन्न

दमोह, स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ दमोह पर आज भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा वर्ष 2023 का जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण जिला शिक्षा अधिकारी सुनील नेमा के मुख्य आतिथ्य में एवं गुरुनानक एडुकेशन सोसायटी के उपाध्यक्ष गुरजीत सिंह बग्गा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ विजयलाल स्मृति महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ वंदना चरण एवं ज्ञानचंद्र श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गणित विभाग के प्रोफेसर डॉ कमल कोरी रहे। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ, तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्मालाओं से किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान भी इस अवसर पर मंच से किया गया। जिला समन्वयक बी पी गर्ग ने अपने प्रतिवेदन में बतलाया कि इस वर्ष जिले भर में स्कूलों और कॉलेजों में मिलाकर 20,700 विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में 7 अक्टूबर 2023 में भाग लिया था जिसमे जिला स्तर पर और तहसील स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त परीक्षार्थियों को विशेष प्रमाणपत्र के साथ नकद राशि भी पुरस्कार स्वरूप दी जाती है। प्राचार्या डॉ वंदना चरण ने विद्यार्थियों को संस्कारित करने के गायत्री परिवार के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि छात्रों में संस्कारों की कमी को दूर करने के लिये इस परीक्षा में बैठालना आवश्यक है। डॉ कमल कोरी ने कहा कि कालेजों में विद्यार्थियों को अनुशासन सिखाना कठिन है किन्तु यदि स्कूलों में हो रही इस परीक्षा में बैठने वाले छात्र जब कालेज में आते हैं तो अलग से उन्हें पहिचाना जा सकता है। मुख्य अतिथि सुनील नेमा ने इस परीक्षा के बारे में बतलाया कि मैं जब एक्सीलेंस स्कूल का प्राचार्य था तो शत प्रतिशत छात्रों को इस परीक्षा में बैठालता था। अध्यक्षीय उदबोधन में सरदार गुरजीत सिंह बग्गा ने कहा कि गायत्री परिवार के सभी परिजन साधुवाद के पात्र है कि वह लोग नि:स्वार्थ भाव से समाज सुधार के काम मे लगे हुए है। बच्चों को संस्कारित करने में गायत्री परिवार अपना योगदान देता आ रहा है। कार्यक्रम का सफल संचालन प्राचार्य डॉ आलोक सोनवलकर ने किया और आभार प्रदर्शन एडवोकेट पंकज हर्ष श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

एक शिक्षक को निलंबित और 05 शिक्षकों के एक दिन का वेतन काटने के दिए निर्देश

कलेक्टर अग्रवाल आकस्मिक रूप से पहुँचे सैलवाड़ा

दमोह, कलेक्टर मयंक अग्रवाल अपने आकस्मिक भ्रमण अभियान के तहत ग्राम सेलवाड़ा पहुंचे। उन्होंने यहां पर ग्राम वासियों से चर्चा की, उनकी बातें व समस्याएं सुनी। ग्रामवासियों ने बताया कि गांव में पानी की समस्या हैं, पूरे गांव में पानी नहीं पहुंच रहा और बिजली का भी वोल्टेज कम रहता हैं। कलेक्टर ने तत्काल ही अधिकारियों को बिजली और पानी की समस्या 20 दिवस के अंदर निराकृत करने के निर्देश दिए। ग्रामवासी अपने बीच आकस्मिक रूप से कलेक्टर को पाकर बेहद प्रसन्न रहे और अपनी-अपनी बातें बड़ी सहजता से कलेक्टर से कर रहे थे।

यहां पर ग्राम वासियों ने कलेक्टर से कहा कि यहां पर उप स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम की सहायक का ट्रांसफर हो गया हैं, डिलेवरी में समस्या हो रही हैं, शीघ्र पद स्थापना की जाए। साथ ही पशु अस्पताल में बाउंड्री वाल बना दी जाए तथा गौशाला के संचालन की समस्या रखी गई, इसके निराकरण के निर्देश कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने संबंधित अधिकारी को दिए। यहां ग्राम सभा में भी पहुँचे कलेक्टर।

कलेक्टर पहुंचे हाई स्कूल

ग्राम सेलवाड़ा में कलेक्टर मयंक अग्रवाल आकस्मिक रूप से हायर सेकंडरी और हाई स्कूल का निरीक्षण किया। यहां पर विद्या भूषण शर्मा शिक्षक हायर सेकंडरी विद्यालय 01 माह से लगातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए, जिसे निलंबित करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए गए। साथ ही यहां पर पाँच शिक्षक रंजीत नागेसिया, अनीता गोस्वामी, राजेश ठाकुर और छत्तर सिंह तथा मनोज कुमार साहू आज अनुपस्थित पाए गए, इनका आवेदन भी नहीं था। कलेक्टर ने इनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। यहां पर ग्राम वासियों ने हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा केंद्र तेंदूखेड़ा में जाने की समस्या रखी, जिस पर कलेक्टर ने उनकी बातों को गंभीरता से सुना।

कलेक्टर पहुंचे रिचकुड़ी

अपने इस भ्रमण के दौरान कलेक्टर मयंक अग्रवाल रिचकूड़ी पहुंचे। यहां पर उन्होंने जल निगम के पावर पंप हाउस का निरीक्षण किया। यहां पर भी बिजली की समस्या वोल्टेज की रखी गई, जिससे विद्युत विभाग को 20 दिन के अंदर निराकृत करने के निर्देश दिए गए। इसी दौरान कलेक्टर ग्राम दोनी पहुंचे। यहां पर जल संसाधन विभाग के कार्य का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बिना रेलिंग की पुलिया से कार सहित नाले में गिरा युवक, रात भर पानी में पड़ा रहा

रतलाम। बिलपांक थाना क्षेत्र के गुर्जरपाड़ा-बिरमावल मार्ग पर आंबा खाल के नाले की बगैर रेलिंग की पुलिया से कार नाले में जाकर पलट गई। रात भर युवक नाले के पानी में कार के अंदर ही पड़ा रहा और उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिरमावल पुलिस चौकी के प्रभारी (एसआइ) मुकेश सस्तिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि 28 वर्षीय राहुल डामर पुत्र शिवाजी डामर निवासी ग्राम पग्गीपाडा जेसीबी मशीन का संचालन करता है। वह बिरमावल की तरफ से रविवार रात कार (एमपी-43/जेडसी-7517) से वापस अपने घर लौट रहा था। ***पुलिया से नाले के पानी में गिरी कार*** *इस दौरान आंबा खाल की पुलिया से नाले के पानी में कार जा गिरी। कार पलट कर उलटी हो गई। कार में पानी भर गया। वहीं एयर बैग भी खुल गए थे, उसे चोट भी आई, लेकिन राहुल कार से बाहर नहीं निकल पाया और उसकी मौके पर मौत हो गई। सोमवार सुबह करीब सात बजे किसी ने कार नाले में पड़ी देखी। इसके बाद खबर तेजी से फैली और आसपास के लोग तथा राहुल के स्वजन भी मौके पर पहुंचे। राहुल को बाहर निकालकर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित किया। पोस्टमार्टम कराकर शव स्वजन को सौंप दिया गया है। विवेचना की जा रही है।*

होस्टल व स्कूल में मतांतरण के षड्यंत्र का आरोप, जांच जारी

रतलाम। जिले के ग्राम खारवा कलां स्थित क्रिश्चियन समाज के होस्टल व स्कूल में समाज के ही एक व्यक्ति ने मतांतरण का षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया है। शिकायत मिलने पर ताल के तहसीलदार के नेतृत्व में प्रशासन के दल ने होस्टल में जाकर बच्चों से जानकारी ली।जानकारी के अनुसार आलोट एसडीएम से शिकायत कर उसकी प्रति कलेक्टर व एसपी को भी भेजी गई थी। शिकायत में कहा गया है कि खारवाकलां में पुराना हाईकोर्ट मेमोरियल चर्च है, जो राजस्व दस्तावेजों में यूनाइटेंज चर्च काउंसिल के नाम से दर्ज है। उससे जुड़ी कृषि भूमि व भवनों पर समाज के ही विजय चौहान के परिवार का एकाधिकार है। भवनों में समाज के कई परिवार निवास करते हैं।

13 साल के बच्चे की हिचकी आने के बाद मौत कलश यात्रा में किया था हनुमान जी का अभिनय

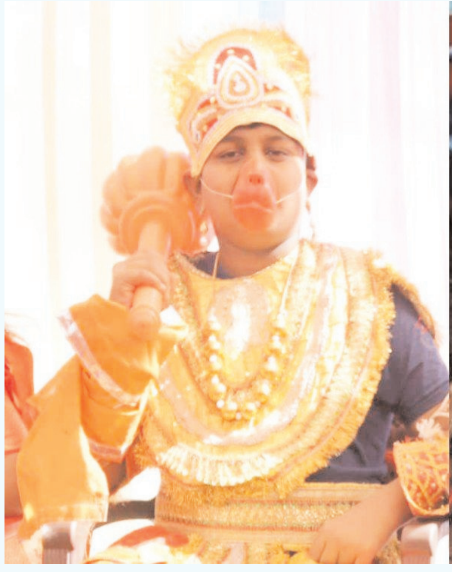

रतलाम/लूनी। राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा वाले दिन निकली कलश यात्रा में हनुमान जी का अभिनय करने वाले रतलाम जिले के ग्राम खरवाकला निवासी मंगल डांगी पुत्र जरेलाल डांगी की अचानक हिचकी आकर तबीयत बिगडने के कारण मौत हो गई थी और मौत का कारण हार्ट अटैक माना गया।जानकारी के अनुसार रविवार व सोमवार की दरमियानी रात मंगल डांगी की करीब तीन बजे अचानक तबीयत खराब हो गई और स्वजन इलाज के लिए खारवाकला के एक निजी अस्पताल में लेकर गए। उसे वहां से सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। खारवाकला के सरकारी अस्पताल से उसे नागदा (उज्जैन) के एक अस्पताल में लेकर जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। नागदा अस्पताल में पहंचने पर उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया और इसके बाद पुलिस ने उसके शव का खारवाकला के सरकारी असपताल में पोस्ट मॉर्टम कराकर शव स्वजन को सौंप दिया। मंगल कक्षा सातवीं में पढ़ता था और खुश मिजाज भी था। इसके साथ ही वह सभी से मिलजुलकर रहा करता था। वह गांव में हनुमान जी का अभिनय करने को लेकर लोकप्रिय हो गया था।। इस मामले में बच्चे के पिता जरेलाल डांगी ने कहा कि रात तीन बजे अचानक मंगल को हिचकी आई थी और फिर उसकी तबीयत बिगड़ी। उसे निजी अस्पताल ले जाया गया और वहां से खारवाकला तथा नागदा के एक अस्पताल ले गए।नागदा में मंगल डांडी को मृत घोषित करने वाले डॉक्टर ने कहा कि उसकी मौत हृदय से संबधित कोई बीमारी होने से उसकी मौत हुई है।

बेघर व्यक्ति ने 25 वर्षीय छात्र की कर दी हत्या, सिर पर हथौड़े से 50 बार किया वार

इंटरनेशनल डेस्क ॰ अमेरिका में जॉर्जिया के लिथोनिया शहर में एक बेघर नशेड़ी ने 25 वर्षीय भारतीय छात्र के सिर पर करीब 50 बार हथौड़े से हमला किया जिससे उसकी मौत हो गई। अटलांटा में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। दिल दहला देने वाली यह घटना कैमरे में रिकार्ड हो गई जिसमें हमलावर जूलियन फॉकनर हाल में एमबीए करने वाले भारतीय छात्र विवेक सैनी के सिर पर हथौड़े से करीब 50 बार बेरहमी से वार करते नजर आ रहा है। भारतीय दूतावास ने सोमवार को 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''हम उस भयानक, क्रूर और जघन्य घटना से बहुत दुखी हैं जिसमें भारतीय नागरिक/छात्र विवेक सैनी की मौत हो गयी और कड़े शब्दों में इस हमले की निंदा करते हैं। ऐसी जानकारी है कि अमेरिकी प्राधिकारियों ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच कर रहे हैं। उसने कहा कि दूतावास ने घटना के तुरंत बाद सैनी के परिवार से संपर्क किया और शव को भारत भेजने के लिए हरसंभव मदद की जा रही है। 'एम9 न्यूज चैनल ने रविवार को बताया कि सैनी, उस स्टोर में अंशकालिक क्लर्क के तौर पर काम करता था जहां फॉकनर ने शरण ली हुई थी। चैनल ने कहा कि सैनी ने फॉकनर की मदद करते हुए उसे चिप्स, कोक, पानी और ठंड से बचने के लिए एक जैकेट भी दी थी लेकिन बाद में सुरक्षा संबंधी चिंता के कारण उसने फॉकनर से वहां से जाने का अनुरोध किया। सैनी ने फॉकनर से कहा कि यदि वह वहां से नहीं गया तो वह पुलिस की मदद लेगा। सैनी 16 जनवरी को अपने घर जा रहा था तभी फॉकनर ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल पर फॉकनर को सैनी के शव पर खड़े पाया। बीटेक की पढ़ायी पूरी करने के बाद दो साल पहले अमेरिका आए सैनी ने हाल में 'बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन% में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की थी। हरियाणा में रह रहा सैनी का परिवार इस निर्मम घटना के बाद से शोक में है। उसके पिता गुरजीत सिंह और मां ललिता सैनी इस घटना के बारे में किसी से बात करने की स्थिति में नहीं हैं।

अमेरिकी वीजा रखने वाले हर 10 लोगों में एक भारतीय!

नई दिल्ली: अमेरिका ने 2023 में रिकॉर्ड 14 लाख भारतीयों को वीजा जारी किए और आगंतुक वीजा प्राप्त करने के प्रतीक्षा समय में 75 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। अमेरिकी दूतावास ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिकी दूतावास के मुताबिक, 2022 की तुलना में भारतीयों द्वारा वीजा आवेदन में 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। दूतावास ने एक बयान में बताया कि प्रक्रिया में सुधार और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने से आगंतुक वीजा प्राप्त करने के प्रतीक्षा समय औसतन एक हजार दिन से घटकर केवल 250 दिन रह गये हैं, जो अन्य सभी श्रेणियों में सबसे कम प्रतीक्षा समय है। दूतावास के मुताबिक, वर्ष 2023 में भारत में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने रिकॉर्ड तोड़ 14 लाख वीजा जारी

किए। वहीं आगंतुक वीजा प्राप्त करने के लिए प्रतीक्षा समय में 75 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। सभी वीजा वर्गों में मांग बहुत ज्यादा देखी गई। 2022 की तुलना में वीजा आवेदनों की संख्या में 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अमेरिका में वीजा के लिए आवेदन करने वाले दुनिया भर के हर 10 में से एक नागरिक भारतीय होता है। बयान के मुताबिक, आगुंतक वीजा (बी1/बी2) अमेरिकी मिशन के इतिहास में सात लाख से अधिक आवेदनों की संख्या के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

अपनी दादागिरी नहीं चला सकते ट्रंप

हेली ने राष्ट्रपति चुनाव में नामांकन वापस लेने से किया इनकार

वाशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उम्मीदवारी के लिए प्रयासरत भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रम्प नामांकन के जरिये धौंस नहीं जमा सकते हैं। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और उद्यमी से नेता बने भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी के इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने के बाद रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप के खिलाफ हेली एकमात्र प्रत्याशी बच गई हैं। डेसेंटिस और रामास्वामी ने ट्रम्प का समर्थन किया है। न्यू हैम्पशायर प्राइमरी के बाद, जहां वह ट्रम्प के बाद

दूसरे स्थान पर रहीं, 52 वर्षीय हेली पर ट्रंप के पक्ष में राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने का दबाव बढ़ गया है। ट्रंप (77) ने उनसे इस दौड़ से हटने की अपील की है। साउथ कैरोलिना की गवर्नर रह चुकीं हेली ने कहा, ''वह (ट्रम्प) नामांकन के जरिए धौंस नहीं जमा सकते।

इस्तांबुल के गिरजाघर में हमलावरों ने चलाई गोलियां, स्लामिक स्टेट ने ली जिम्मेदारी

नेशनल डेस्क ॰ आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ने यहां एक रोमन कैथलिक गिरजाघर में रविवार को प्रार्थना सभा के दौरान हुए हमले की जिम्मेदारी ली। इस हमले में एक व्यक्ति की जान चली गयी थी। इस्लामिक स्टेट ने रविवार देर शाम एक बयान जारी कर कहा कि उसने रविवार को इस्तांबुल के बुयुकडेरे में सैंटा मारिया गिरजाघर के अंदर 'ईसाई विधर्मियों पर उनके बहुदेववादी कार्यक्रम के दौरान हमला किया। गृहमंत्री अली येरलिकाया ने रविवार देर रात कहा कि इस हमले के सिलसिले में इस्लामिक स्टेट के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें एक ताजिकिस्तान और दूसरा रूस का रहने वाला है। जिम्मेदारी संबंधी इस्लामिक स्टेट का यह बयान उसकी मीडिया शाखा 'अमाक ने प्रकाशित किया है और इस बयान के साथ हाथ में बंदूक लिये दो नकाबपोश लोगों की तस्वीर भी

छापी गयी है। इस्लामिक स्टेट ने उन्हें हमलावर बताया है। इस्लामिक स्टेट ने कहा कि इस हमले में एक व्यक्ति मारा गया जबकि एक अन्य घायल हो गया। हालांकि तुर्किये के अधिकारियों का कहना है कि एक व्यक्ति की जान गयी और कोई अन्य घायल नहीं हुआ। येरलिकाया ने बताया कि इस हमले की जांच के सिलसिले में पुलिस ने 30 जगहों पर छापा मारा तथा 47 लोगों को हिरासत में लिया। उन्होंने कहा, ''हम उन लोगों को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे जो हमारे देश की शांति भंग करने की कोशिश करते हैं-- ये लोग आतंकवादी, उनके सहयोगी, राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय आपराधिक समूह और ऐसे लोग हो सकते हैं जो हमारी एकता एवं एकजुटता को निशाना बनाते हैं।

पैरालाइज्ड इंसान भी फोन का कर सकेगा इस्तेमाल

एलन मस्क की न्यूरालिंक ने इंसानी दिमाग में लगाई ब्रेन चिप

नेशनल डेस्क॰ टेस्ला और सोशल नेटवर्किंग साइट - के फाउंडर एलन मस्क ने एक ट्विट कर हैरान कर देने वाली जानकारी दी। उन्होंने खुद पोस्ट कर बताया कि उनके स्टार्टअप 'न्यूरालिंक ने पहले मानव रोगी में ब्रेन इम्प्लांट किया है यानि इंसानी दिमाग में चिप लगाई है। एलन मस्क ने बताया कि इंप्लांटेशन सक्सेसफुल रहा, जिसके दिमाग में चिप लगाई गई, वह रिकवर हो रहे हैं और कंपनी की निगरानी में है और उसका सारा खर्चा कंपनी उठाएगी। अब कंपनी को रिजल्ट नजर आने का इंतजार है। जिसमें 6 साल का समय लग सकता है। बता दें कि एलन मस्क ने ङ्ग पर पोस्ट में लिखा, मई 2023 फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से मंजूरी मिलने के बाद कल सोमवार को न्यूरालिंक ने एक इंसान के दिमाग के माइक्रो चिप इंप्लांट की जो कामयाब रही। हालांकि इसके रिजल्ट सामने आने जानिए इस चिप की खासियत मस्क ने बताया कि न्यूरालिंक ने एक सिक्के के साइज का यह डिवाइस है, जो कंप्यूटर, मोबाइल या ब्रेन एक्टिविटी को कंट्रोल कर सकता है। इस डिवाइस के ब्रेन में इंप्लांट होने

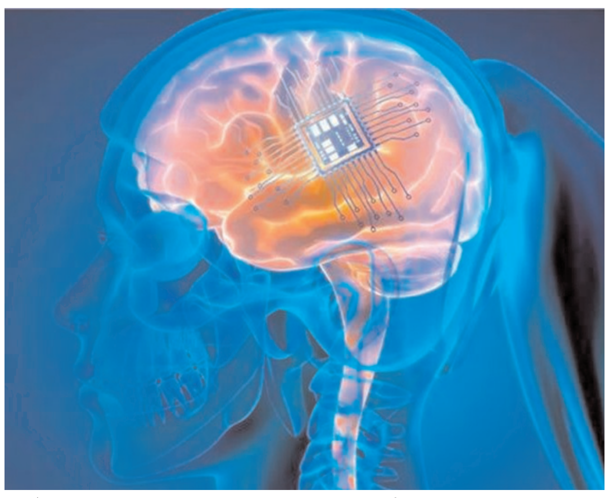

से पैरालाइज्ड इंसान भी कंप्यूटर और फोन का इस्तेमाल कर सकेगा। हालांकि यह डिवाइस इतना लचिला और ट्रांसपेरेंट है कि होकर भी नजर नहीं आएगा। यह डिवाइस एक प्रकार के थ्रेड हैं, जो इतने बारीक और लचीले हैं कि हाथों से नहीं पकड़ा जा सकता, इसलिए दिमाग में इंप्लांट करने के लिए रोबोट का इस्तेमाल किया गया। और इसे कंट्रोल करने को ऐप बनाया गया। क्या होंगे फायदें? मस्क ने कहा कि अगर रिजल्ट जैसे सोचे गए है वैसे ही आए तो इस चिप के जरिए इंसान का दिगाम कंप्यूटर, मोबाइल ऑपरेट करेगा। ब्लाइंड लोग देख सकेंगे। दिमाग वह सभी काम कर पाएगा, जो हाथों-पैरों से किए जाते हैं। मस्क ने बताया कि ब्रेन में चिप सर्जरी करके लगाई गई। चिप वहां लगाई गई है, जहां से दिमाग पूरे शरीर को कंट्रोल करता है। क्या है मकसद? डेटा कंपनी पिचबुक के अनुसार, पिछले साल कैलिफोर्निया स्थित न्यूरालिंक में 400 से अधिक कर्मचारी थे और कंपनी ने कम से कम 363 मिलियन डॉलर जुटाए थे। न्यूरालिंक का कहना है कि उसका मकसद न्यूरोलॉजिकल विकारों से पीड़ित लोगों के लिए जीवन को आसान बनाना है।

उत्तर भारत में छाया घना कोहरा

दिल्ली में पिछले 12 वर्षों में जनवरी सबसे ठंडी रही, इस दिन पड़ेगी बारिश

नई दिल्ली॰ उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों में भीषण कोहरे की स्थिति बनी हुई है, जिससे दृश्यता प्रभावित हो रही है और परिवहन बाधित हो रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर पश्चिमी राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में बहुत घने कोहरे की सूचना दी है, जिसमें गंगानगर में केवल 25 मीटर की दृश्यता दर्ज की गई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। राष्ट्रीय राजधानी में, कोहरे की मोटी परत ने शहर को ढक लिया, जिससे दृश्यता प्रभावित हुई और आईएमडी को कुछ क्षेत्रों के लिए कोल्ड डे अलर्ट जारी करना पड़ा। न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. दिल्ली में पालम और सफदरजंग जैसे प्रमुख

स्थानों पर दृश्यता 500 मीटर दर्ज की गई। अन्य प्रभावित क्षेत्रों में पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश शामिल हैं, जहां मध्यम से हल्का कोहरा छाया रहा। लोगों को ठंड के साथ-साथ प्रदूषण का कहर भी झेलना पड़ रहा दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में लोगों को ठंड के साथ-साथ प्रदूषण का कहर भी झेलना पड़ रहा है। दिल्ली एनसीआर में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) भी 350 के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह जनवरी 12 साल में सबसे ठंडी है। परिवहन और सुरक्षा उपायों पर प्रभाव आईएमडी का अनुमान है कि मंगलवार को मौसम की स्थिति खराब रहेगी, बुधवार और गुरुवार को हल्की बारिश होने की संभावना है, जिससे दिन के तापमान में और गिरावट आएगी। मौसम की मौजूदा खराबी के कारण रेल और उड़ान संचालन में देरी हो रही है, जबकि घने कोहरे के कारण खराब दृश्यता के कारण सुबह और रात के दौरान सड़क यात्रा को असुरक्षित माना गया है। स्थिति पर प्रतिक्रिया करते हुए, आईएमडी ने 31 जनवरी और 1 फरवरी दोनों को दिल्ली में हल्की बारिश की आशंका जताई है, क्योंकि दूसरा पश्चिमी विक्षोभ मैदानी इलाकों में पहुंच रहा है। इसके अतिरिक्त, 29 जनवरी से 3 फरवरी तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में बारिश की संभावना है, जिससे उत्तरी क्षेत्रों में व्यापक वर्षा होगी, खासकर 30 और 31 जनवरी को। उत्तरी क्षेत्रों में वर्षा का पूर्वानुमान 3 फरवरी तक जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश सहित क्षेत्रों में मध्यम बारिश या बर्फबारी की भविष्यवाणी की गई है। विशेष रूप से, 30 और 31 जनवरी को कश्मीर में भारी बारिश या बर्फबारी की उम्मीद है, हिमाचल के लिए भी ऐसी ही स्थिति का अनुमान है।

मिस्र की लड़की करीमन ने गाया देशभक्ति गीत देश रंगीला

मोदी समेत अन्य नेताओं ने की तारीफ

काहिरा: परंपरागत भारतीय घाघरा चोली पहने हुए 'देश रंगीला देशभक्ति गीत गाने वाली मिस्र की एक युवती की सराहना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं ने की है। यहां भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में गीत गाती हुई लड़की का वीडियो क्लिप दूतावास द्वारा जारी किए जाने के कुछ घंटे बाद प्रधानमंत्री ने उसकी प्रशंसा की। मिस्र में भारतीय मिशन के आधिकारिक 'एक्स हैंडल पर रविवार शाम को लिखा गया, ''मिस्र की युवती करीमन ने 'इंडिया हाउस में

75वें गणतंत्र दिवस समारोह में देशभक्ति का गीत 'देश रंगीला प्रस्तुत किया। उसके सुमधुर गायन और सही उच्चारण ने बड़ी संख्या में भारतीयों और मिस्र वासियों को प्रभावित किया। इसके 24 घंटे से भी कम समय के भीतर प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स पर लिखा, ''मिस्र की करीमन की यह प्रस्तुत सुरीली है। मैं इस प्रयास के लिए उन्हें बधाई देता हूं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। विदेश मंत्री एस जयशंकर और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी 'एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी के पोस्ट को साझा किया। मोदी की प्रशंसा के बाद एक मिनट के इस वीडियो को छह लाख से अधिक बार देखा गया।

इमाम उमर अहमद ने फतवा जारी होने पर कहा- मुझसे नफरत करने वाले पाकिस्तान जाएं मैंने प्यार का पैगाम दिया है

नेशनल डेस्क॰ 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के चीफ इमाम डॉ. इमाम उमेर अहमद इलियासी ने भी हीसा लिया था। वीवीआईपी मेहमानों में शामिल डॉ. इमाम उमेर अहमद इलियासी के खिलाफ फतवा जारी किया गया है। इमाम ने खुलासा किया कि यह फतवा रविवार को जारी किया गया था और राम मंदिर कार्यक्रम के बाद से ही उन्हें धमकी भरे फोन आ रहे हैं। डॉ. इमाम उमेर अहमद इलियासी ने बताया कि उन्हें मुख्य इमाम के तौर पर सोमवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से आमंत्रित किया गया है। उन्होंने खुलासा किया कि दो दिनों तक विचार करने के बाद देश और सौहार्द्र के लिए अयोध्या समारोह में शामिल होने का निर्णय लिया गया था। उनके मुताबिक, फतवा रविवार को जारी किया गया था और 22 जनवरी की शाम से ही उन्हें धमकी भरे फोन आने शुरू हो गए थे। इस्लामिक धर्मगुरु ने दावा किया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के बाद से उन्हें विरोध और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। मैंने प्यार का पैगाम दिया है उन्होंने आगे कहा, मैंने कुछ कॉल रिकॉर्ड किए हैं, जिनमें कॉल करने वालों ने मुझे जान से मारने की धमकियां दी हैं। जो लोग मुझे और देश से प्यार करते हैं, वो मेरा समर्थन करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569